

ईपिक नंबर वही, मतदाताओं के बदले गए नाम, बड़ा आरोप

- यूपी की वोटर लिस्ट में हेरफेर का गंभीर आरोप
- कांग्रेस ने एसआईआर पर चुनाव आयोग को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले नेता बिगड़ चुके हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी, ईपीआईसी नंबरों के समान रहने हुए नाम बदलने और 'छोट चोरी' का गंभीर आरोप लगाते हुए बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

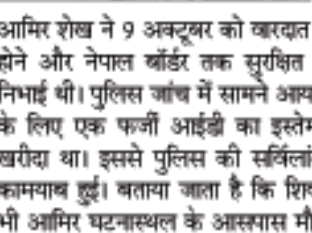


उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, सांसद इमरान मसूद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मौजूद थे।

मॉडल श्रद्धा दुबे के बाद अब करीबी दोस्त हुआ गिरफ्तार

- आमिर शेख ने नेपाल बॉर्डर तक पहुंचाने में की थी मदद!

लखनऊ (एजेंसी)। शिवा शर्मा हत्याकांड में लखनऊ पुलिस की नाकामी के बाद यूपी एसटीएफ की टीम पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ चुकी है। खोते मंगलवार को नागपुर से एसटीएफ ने श्रद्धा दुबे, रश्मि और झांझर दासिना को गिरफ्तार किया। अब श्रद्धा के मददगारों की तलाश की जा रही है। यूपी एसटीएफ ने श्रद्धा दुबे के पुराने दोस्त आमिर शेख को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, आमिर शेख ने 9 अक्टूबर को खरदत के बाद श्रद्धा दुबे के फरार होने और नेपाल बॉर्डर तक सुरक्षित पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आमिर ने श्रद्धा दुबे को एक फर्जी आईडी का इस्तेमाल करके सिम कार्ड भी खरीदा था। इससे पुलिस की सर्विलांस टीम से बचने में श्रद्धा कामयाब हुई। बताया जाता है कि शिवा शर्मा की मौत के समय भी आमिर घटनास्थल के आसपास मौजूद था।



आमिर शेख ने 9 अक्टूबर को खरदत के बाद श्रद्धा दुबे के फरार होने और नेपाल बॉर्डर तक सुरक्षित पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

बिहार एमएलसी चुनाव में पटना बनी हॉट सीट

दिग्गजों की अगिंपरी, दांव पर निशांत-सद्दात-तेजस्वी-पीके की प्रतिष्ठा



पटना (एजेंसी)। बिहार में हो रहे एमएलसी चुनाव में विशेषकर पटना सातक और शिक्षक क्षेत्र को लेकर विशेष प्रतिष्ठा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री सद्दात चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत और जनसुराज के नायक प्रशांत किशोर की जुड़ गई है।

राजद सुप्रीमो लालू यादव की भी प्रतिष्ठा दांव पर - इस एमएलसी चुनाव में पटना सातक और पटना शिक्षक क्षेत्र की महत्ता इस बात से समझ सकते हैं कि इस चुनावी जंग में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी उतर गए हैं। अपरोक्ष रूप से तो ये अन्य उम्मीदवारों के लिए वोट मांग ही रहे हैं, मगर पटना सातक और पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए खुरदर खम्भे आकर बैटिंग करने लगे हैं। राजद सूत्रों की माने तो घर से बैठे-बैठे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने पटना, नालंदा और नवादा जिले के सीनियर नेताओं को कोन कर सातक से दिलीप पटेल को शिक्षक क्षेत्र से और सौजीव कुमार को वोट करने की अपील कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमृतसर से लाए टाइगर पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार

मुंबई (एजेंसी)। एक टाइगर शॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार अमृतसर से लाए गए थे। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत के कुप्रास (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक विस्फोट और 20 फायरिंग जुटाए। इसके बाद उत्तर प्रदेश की रामा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कुप्रास, सुमित, रामा और बबीता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक,



हथियार जुटाने और उन्हें शूटिंग तक पहुंचाने में घातों का रोल था। इससे पहले पुलिस ने फायरिंग के आरोपियों बिहार के कृषिक और हरियाणा के रेहान और फूल सिंह को सोमवार को फांसी से गिरफ्तार किया था। अमृतसर से मुंबई तक हथियार सप्लाई की साजिश - जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कुप्रास जुलाई में सोनीपत जेल से बाहर आया था। इसके बाद एक दोस्त ने उसकी मुलाकात लॉरेंस गैंग के मंबर अनिल पंडित से कराई। दोनों एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए बातचीत करने लगे। पुलिस की शक है कि अनिल विदेश में रहकर अपने नेटवर्क के लोगों को निर्देश दे रहा था।

इशाक डार के सामने राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर घेरा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को शंभाई सहयोग संगठन की बैठक में आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता। मंत्री ने कहा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरा रणनीति नहीं होना चाहिए। आतंकियों को पेंसा देने, उनका समर्थन करने और उन्हें पनाह देने वाली के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार भी बैठक में मौजूद थे। राजनाथ ने कहा कि आतंकवाद से निपटने लोनी लोग जाती हैं। इससे निवेश और कारोबार प्रभावित होते हैं, समाज में कट्टरता बढ़ती है। उन्होंने सदस्य देशों से आतंकवाद के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई करने की अपील की।

राजनाथ ने अपने भाषण में पाकिस्तान या इशाक डार का नाम लेकर सीधे कोई आरोप नहीं लगाया। उन्होंने बिना नाम दिए चीन पर भी निशाना साधा और कहा कि कनेक्टिविटी के नाम पर किसी भी देश की संप्रभुता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। राजनाथ बोले - संप्रभुता का सम्मान करते हुए योजनाएं बनें - राजनाथ सिंह ने कहा कि देशों को जोड़ने वाली परियोजनाएं सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर सम्मान करते हुए बनाई जानी चाहिए।

मणिपुर में नहीं थम रहा है हिंसा का नया दौर

- अब कुकी व्यक्ति की गोली मारकर की गई हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांगपोकपी जिले में मंगलवार सुबह उग्रवादियों ने कुकी समुदाय के व्यक्ति पाओलेन खोंगसाई की गोली मारकर हत्या कर दी। यह पी मोलिंडा गांव के एक अन्य व्यक्ति के साथ जंगल में बांस की कोपले इकट्ठा करने गए थे तभी उग्रवादियों ने हमला किया। दूसरा व्यक्ति हमले में जान बचाकर भागने में सफल रहा। हत्या के विरोध में कमेटी आन ट्राइबल युनिटी ने जिले में आधी रात से 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। सोमवार को इसी जिले में उग्रवादियों ने सुनरोक क्षेत्र में जलावन की लकड़ी बोन रहे मैथेयी समुदाय के 14 लोगों पर उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई थी।



इस बीच मैथेयी समुदाय के तीन लोगों की हत्या के विरोध में मंगलवार को 48 घंटे के बंद के चलते घाटी में पांच जिलों में जनजीवन प्रभावित रहा। इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, दीबल और काकचिंग में बाजार, शिक्षण संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन भी ठप रहा, हालांकि कुछ निजी वाहन चलते दिखे।

इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, दीबल और काकचिंग में बाजार, शिक्षण संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन भी ठप रहा, हालांकि कुछ निजी वाहन चलते दिखे।

अब दिल्ली में भी बनेगा साबरमती जैसा रिवरफ्रंट यमुनाकिनारे 52 किमी लंबा कॉरिडोर होगा विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट बनाने वाली कंपनी अब दिल्ली में यमुना किनारे रिवरफ्रंट विकसित करने में मदद करेगी। दिल्ली सरकार इसकी जिम्मेदारी साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को सौंपने की तैयारी कर रही है। जल मंत्री प्रवेश साहिव सिंह के मुताबिक, कंपनी के साथ समझौता जमान की फाइल आगे बढ़ा दी गई है। परियोजना दो चरणों में पूरी होगी। पहला चरण से वजीराबाद और दूसरा वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक होगा। कैबिनेट मंत्री के अनुसार साबरमती नदी के किनारे रिवरफ्रंट डेवलप करने की जिम्मेदारी अहमदाबाद नगर निगम ने उठाई थी। निगम ने इस के लिए एक स्पेशल पॉपुलर व्हीकल बनाई और उसका नाम दिया साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड।

वेनेजुएला की 'गंध' कैसे होगी साफ, बताएगा भारत

- अंबानी की जामनगर रिफाइनरी से सीखेगा अमेरिका, रुबियो का दौरा शुरू



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो बुधवार को गुजरात स्थित जामनगर में दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स के दौर पर हैं। इस दौरान वे रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से भी मिलने वाले हैं। बताया जा रहा है कि मार्को रुबियो रिलायंस के साथ वेनेजुएला का कच्चा तेल रिफाइन करने पर बातचीत करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्सास में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी। खास बात यह है कि जामनगर रिफाइनरी भी वेनेजुएला से आया हुआ कच्चा तेल भी साफ करती है, जो बेहद खराब कूड़ा ऑयल माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्सास में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी।



अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।

2029 तक पूरे देश को बनाएं नशामुक्त

- शाह बोले-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियाँ - कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की। शाह ने नक्स के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।



अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।

कोलकाता के पंडाल में भगदड़ के बाद भारी सख्ती

दुर्गा विसर्जन की निगरानी के लिए 18 आईपीएस तैनात

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोलकाता और उसके आस-पास के तीन पुलिस कमिश्नरेट में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की निगरानी के लिए 18 आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि चौरवागान पंडाल में हुई भगदड़ (जिसमें 19 लोगों की जान चली गई थी) के बाद यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि इन 18 अधिकारियों में से 12 को कोलकाता में तैनात किया गया है, जबकि बाकी छह अधिकारी हावड़ा, बैरकपुर और चंदननगर कमिश्नरेट में विसर्जन

प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने कहा, ये आईपीएस अधिकारी बुधवार से 24 अक्टूबर तक विसर्जन गतिविधियों की निगरानी करेंगे। सभी अधिकारियों के लिए अलग-अलग ड्यूटी रोडमूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोलकाता पुलिस क्षेत्र में, आईपीएस अधिकारी नैसव शर्मा, स्नेहा दास मिश्रा, राशिद मुनीर खान, आकाश मधारीया, सुरेश कुमार चव्हे और धृतिमान सरकार 21 और 23 अक्टूबर को विसर्जन की निगरानी करेंगे। अधिकारी प्रवीण कुमार जिनाटी, इमरान वहब, शिवा राम झाशरिका का नाम शामिल है।

जुमे की बजाय अब रविवार को रहेगा अवकाश

- उत्तराखंड में मदरसों के लिए बंद गया नया नियम

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मदरसों को अब शुक्रवार की जगह रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। शिक्षा विभाग से मान्यता लेने वाले स्कूलों की तरह मदरसों को अब जुमे की बजाय रविवार को बंद रखा जाएगा। शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले 206 मदरसों पर ये नियम लागू रहेगा। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की ओर से कहा गया है कि शिक्षा



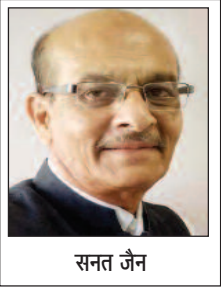
विभाग से मान्यता प्राप्त करने या मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मदरसों को विभागीय मानकों और निर्धारित शैक्षिक व्यवस्था का पालन करना होगा। इसी क्रम में शुक्रवार की छुट्टी की व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब इन मदरसों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। उन मदरसों को भी ये नियम फॉलो करना होगा जो शिक्षा विभाग से मान्यता लेने की प्रक्रिया में हैं। प्राधिकरण का कहना है कि इसका उद्देश्य मदरसा शिक्षा को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप लाते हुए विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना है। प्रदेश में 76 मदरसों को शिक्षा विभाग से मान्यता मिल चुकी है। इसमें हरिद्वार के 270 में से 44, ऊधमसिंह नगर के 119 में से 24, देहरादून के 41 में से छह, नैनीताल के 18 में से दो मदरसों को शिक्षा विभाग की ओर से मान्यता दी जा चुकी है।

संपादकीय

उत्तराखंड की आस्था नई उपलब्धि

उत्तराखंड की पहचान केवल हिमालय की ऊँची चोटियों, कल-कल बहती नदियों और प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है। यह देवभूमि करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र भी है। यहां स्थित केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। वर्ष 2026 की चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या ने एक बार फिर साबित किया है कि देवभूमि के प्रति लोगों की आस्था निरंतर मजबूत बनी हुई है। चारधाम यात्रा उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार भी है। यात्रा के दौरान होटल, धर्मशालाओं, होमस्टे, परिवहन सेवाओं, चोड़ा-खन्कर संचालकों, स्थानीय दुकानदारों, ढाबा संचालकों और अन्य छोटे व्यवसायों को काम मिलता है। पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सीमित होने के कारण यात्रा का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर विशेष महत्व है। जब देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंचते हैं, तो उनके साथ होने वाला खर्च अनेक स्थानीय परिवारों की आजीविका का साधन बनता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह बढ़ सकता है और स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा होते हैं। हालांकि, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को वास्तविक आर्थिक उपलब्धि में बदलने के लिए यह भी आवश्यक है कि स्थानीय लोगों को पर्यटन से होने वाली आय में उचित भागीदारी मिले। यात्रा का लाभ केवल बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक सीमित न रहकर गांवों, छोटे कारोबारियों और स्थानीय युवाओं तक पहुंचना चाहिए।धार्मिक यात्रा के साथ स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक खानपान, हस्तशिल्प, लोककला और प्रकृति पर्यटन को योजनाबद्ध ढंग से जोड़ा जाए, तो पर्यटकों के ठहरने की अवधि बढ़ सकती है। इससे स्थानीय कारोबार को अधिक अवसर मिलेंगे और उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को भी मंच प्राप्त होगा। श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या निश्चित रूप से उत्साहजनक है, लेकिन इतनी बड़ी भीड़ अपने साथ कई चुनौतियां भी लेकर आती है। पर्वतीय सड़कों पर यातायात का दबाव, पार्किंग की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता, मौसम की अनिश्चितता और आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव कार्यों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। बढ़ते मानवीय दबाव के कारण कचरे का निस्तारण, जल स्रोतों की स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। धार्मिक पर्यटन की सफलता तभी सार्थक होगी, जब श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ प्रकृति की रक्षा भी सुनिश्चित की जाए। उत्तराखंड से युवाओं का पलायन लंबे समय से एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक विषय रहा है। चारधाम यात्रा इस चुनौती से निपटने के लिए आवश्यक प्रदान कर सकती है, बशर्ते पर्यटन को स्थानीय रोजगार से जोड़ा जाए। होमस्टे, स्थानीय परिवहन, पर्वतीय भोजन, हस्तशिल्प, धार्मिक सामग्री, पर्यटन मार्गदर्शन और डिजिटल बुकिंग जैसी गतिविधियों में युवाओं को प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग दिया जा सकता है। महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों के विपणन से जोड़ा जा सकता है। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है। यह राज्य की धार्मिक प्रतिष्ठा, पर्यटन क्षमता और स्थानीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को उजागर करती है। लेकिन किसी भी उपलब्धि का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होता है कि उससे आम नागरिक के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन आया। राज्य के सामने अब चुनौती है कि वह बढ़ते धार्मिक पर्यटन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित, पर्यावरण के अनुरूप और स्थानीय लोगों के हित में विकसित करे। श्रद्धालुओं की सुविधा, स्थानीय निवासियों की जरूरतों और हिमालय की पर्यावरणीय सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करना ही दृढ़दर्शी पर्यटन नीति की पहचान होगी। चारधाम यात्रा का रिकॉर्ड केवल श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या का आंकड़ा नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के लिए विकास की नई संभावनाओं का संकेत भी है। आस्था ने देवभूमि को पहचान दी है; अब बेहतर प्रबंधन, स्थानीय भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से इस पहचान को स्थायी समृद्धि में बदलना समय की मांग है। देवभूमि की असली उपलब्धि तभी होगी, जब यहां आने वाला हर श्रद्धालु सुरक्षित और संतुष्ट लौटे, स्थानीय परिवारों की आय बढ़े और हिमालय की प्राकृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुशुभित बनी रहे।

जेल में बंद गैंगस्टर का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क, आखिर किसका संरक्षण?



सनत जैन

गुजरात की साबरमती जेल की हाई सिक्वोरिटी सेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिस्नोई का कथित अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क भारत की कानून-व्यवस्था, जेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि जेल की चारदीवारी के भीतर बंद कोई अपराधी देश-विदेश में बैठे अपने गुणों के माध्यम से धमकियां दिलवा सकता है, सुपारी देकर हत्याओं की साजिश रच सकता है और फिल्मी सितारों को निशाना बनाने की योजना बना सकता है, तो सवाल केवल एक गैंगस्टर का नहीं, बल्कि पूरे सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता का है। फिल्म अभिनेता टाइगर श्राफ पर कथित हमले के बाद सामने

आई जानकारीयों में आमिर खान, सलामन खान, अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार सहित कई फिल्मी सितारों की रेकी किए जाने के आरोपों ने मनोरंजन जगत में चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस द्वारा चार लोगों की गिरफ्तारी और उनसे पूछताछ में सामने आए कथित नेटवर्क की जानकारी मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। हालांकि, इन आरोपों और विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका की पुष्टि जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया से होना आवश्यक है। जांच से संबंधित दावों में लॉरेंस बिस्नोई गिरोह के पांच प्रमुख हैंडलरों और करीब 700 गुणों के नेटवर्क का उल्लेख किया जा रहा है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप में बैठे कथित सहयोगियों की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। टायसन बिस्नोई, अनिल पॉन्ड, हरि बॉक्सर, हरमन संधू और हिमांशु सोनीपत जैसे नामों को नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा है। आरोप है कि गिरोह नए सदस्यों को भर्ती, हथियारों की व्यवस्था, जबरन वसूली, वित्तीय प्रबंधन और सोशल मीडिया के जरिए धमकियां फैलाने जैसे काम संगठित तरीके से करता है। संगठित अपराध अब केवल स्थानीय गिरोहों तक सीमित नहीं है। डिजिटल संचार, विदेशों में मौजूद सहयोगियों और कथित वित्तीय नेटवर्क के सहारे अपराधी सीमाओं से परे जाकर गतिविधियां संचालित करने की कोशिश कर रहे हैं।

लॉरेंस बिस्नोई वर्ष 2015 से जेल में है। वह 2023 से साबरमती जेल में बंद है। इसके बावजूद उसके नाम से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों और धमकियों के लगातार सामने आने की खबरें सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की मांग करती हैं। जेलों में मोबाइल फोन मिलने, प्रतिबंधित सुविधाओं के इस्तेमाल और कैदियों के वीडियो वायरल होने जैसी घटनाएं भी चिंता बढ़ाती हैं। मूल प्रश्न है कि जेल में बंद किसी व्यक्ति के निर्देश बाहर तक कैसे पहुंचते हैं? क्या जेलों में संचार व्यवस्था की निगरानी पर्याप्त है? क्या जेल कर्मचारियों, बाहरी सहयोगियों और अवैध वित्तीय लेन-देन की प्रभावी जांच होती है? इन सवालों के जवाब तथ्यों और निष्पक्ष जांच के आधार पर सामने आने चाहिए। जब किसी गिरोह की गतिविधियों के तार अमेरिका, कनाडा और यूरोप तक जुड़ने के आरोप सामने आते हैं, तब मामला केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, कारोबारियों और सार्वजनिक हस्तियों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे मामलों में संबंधित देशों के साथ खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, प्रत्यर्पण प्रक्रिया, वित्तीय लेन-देन की निगरानी और संयुक्त जांच निगरानक साबित हो सकती है। अनमोल बिस्नोई की गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध चल रही कानूनी प्रक्रिया के

बावजूद यदि गिरोह की गतिविधियां जारी रहने के आरोप हैं, तो एजेंसियों को यह पता लगाना होगा कि नेटवर्क का संचालन किन माध्यमों से हो रहा है और उसकी आर्थिक ताकत कहाँ से आती है। लोकतंत्र में किसी भी सरकार की जिम्मेदारी केवल अपराधियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है, वह जेल में रहते हुए अपराध का संचालन न कर सके। यदि सुरक्षा में चूक, भ्रष्टाचार, अवैध संचार या प्रशासनिक लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिर वह कौन-सी व्यवस्था है, जिसमें जेल की सलाखें किसी अपराधी के अपराधों को बंद नहीं करा पा रही हैं? इसका जवाब बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच, ठोस सबूतों और प्रभावी कार्रवाई से मिलेगा। फिल्मी सितारों की सुरक्षा से लेकर आम नागरिकों के जीवन तक, कानून का शासन सर्वोपरि होना चाहिए। किसी अपराधी का भय उसकी वास्तविक शक्ति से अधिक इसलिए नहीं बढ़ना चाहिए कि व्यवस्था उसके नेटवर्क को तोड़ने में निर्यात्रित करके की नहीं, बल्कि संगठित अपराध के उस पूरे तंत्र को ध्वस्त करने की है। अनमोल की दीवारों से बाहर अपनी पहुंच बनाए रखने का दावा करता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: आर्थिक सहयोग, रणनीतिक साझेदारी और राष्ट्रीय हितों की कसौटी



सौरभ वर्णय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बदलते समीकरणों के बीच भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर सामने आए सकारात्मक संकेत दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का यह कहना कि समझौते को अंतिम रूप देने के लिए एक कुछ ही मुद्दों पर काम बाकी है और जल्द ही इसकी घोषणा हो सकती है, इस दिशा में आगे बढ़ती बातचीत का संकेत देता है। हालांकि, किसी भी समझौते की वास्तविक सफलता केवल उसकी घोषणा या हस्ताक्षर से नहीं, बल्कि उससे मिलने वाले आर्थिक लाभ, व्यापारिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा से तय होती है। इसलिए भारत को इस समझौते की संभावनाओं के साथ-साथ उसकी चुनौतियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। भारत और अमेरिका के संबंध पिछले कुछ वर्षों में अनेक क्षेत्रों में विस्तारित हुए हैं। रक्षा, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, निवेश और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति जैसे विषयों पर दोनों देश लगातार सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में व्यापार समझौते को लेकर बनी सहमति की संभावना आर्थिक संबंधों को नई गति दे सकती है। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि भारत और अमेरिका की आर्थिक प्राथमिकताएं, औद्योगिक संरचना और घरेलू बाजार की आवश्यकताएं एक-दूसरे से अलग हैं। इसलिए समझौते की दिशा में आगे बढ़ते हुए दोनों पक्षों को ऐसा संतुलन बनाना होगा, जिससे सहयोग बढ़े और किसी एक देश के हित दूसरे की कीमत पर प्रभावित न हों। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान संकेत दिया कि भारत और

अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं। उनके अनुसार, कुछ मुद्दों पर काम बाकी है और जल्द औपचारिक घोषणा की उम्मीद की जा सकती है। इससे पहले भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी समझौते के पहले चरण को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद जता चुके हैं। इन बयानों से स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने की राजनीतिक और कूटनीतिक इच्छा मौजूद है। फिर भी, जब तक समझौते की शर्तों, दायरे और समयसीमा को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आती, तब तक इसके संभावित परिणामों के बारे में अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। व्यापार समझौते का उद्देश्य सामान्यतः वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को आसान बनाना, शुल्क संबंधी बाधाओं को कम करना, निवेश को प्रोत्साहित करना तथा कारोबारियों के लिए बाजार तक पहुंच बेहतर करना होता है। भारत और अमेरिका के बीच ऐसा सहयोग मजबूत होता है तो भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अधिक अवसर मिल सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कंपनियों को भी भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर मिलेगा। लेकिन सवाल यह है कि इन अवसरों का लाभ किसे और कितना मिलेगा? क्या भारतीय छोटे और मध्यम उद्योगों को भी इससे फायदा पहुंचेगा, या लाभ मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों तक सीमित रह जाएगा? समझौते का मूल्यांकन इन प्रश्नों के आधार पर होना चाहिए। अमेरिका दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसका बाजार भारतीय उत्पादों तथा सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। कपड़ा, परिधान, औषधि, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी हैं। अनुकूल व्यापारिक शर्तें इन क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकती हैं।यदि भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलती है, तो निर्यात में वृद्धि की संभावना बनेगी। इससे उत्पादन बढ़ सकता है, नई इकाइयों में निवेश आकर्षित हो सकता है और रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा हो सकते हैं। विशेष रूप से श्रम आधारित उद्योगों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन क्षेत्रों में उत्पादन और

निर्यात की वृद्धि का सीधा संबंध रोजगार से हो सकता है। हालांकि, केवल बाजार तक पहुंच मिलना पर्याप्त नहीं है। भारतीय उद्योगों को गुणवत्ता, लागत, तकनीकी दक्षता, समय पर आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन के लिए आवश्यक कौशल और निष्पक्ष जांच के आधार पर सामने आने चाहिए। जब किसी गिरोह की गतिविधियों के तार अमेरिका, कनाडा और यूरोप तक जुड़ने के आरोप सामने आते हैं, तब मामला केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, कारोबारियों और सार्वजनिक हस्तियों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे मामलों में संबंधित देशों के साथ खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, प्रत्यर्पण प्रक्रिया, वित्तीय लेन-देन की निगरानी और संयुक्त जांच निगरानक साबित हो सकती है। अनमोल बिस्नोई की गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध चल रही कानूनी प्रक्रिया के

चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया जाए। मार्को रुबियो और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भारत में अमेरिकी राजदूत सैंड्रो तोरे ने भी रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में बातचीत को महत्वपूर्ण बताया। यह तथ्य रेखांकित करता है कि भारत-अमेरिका संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यापक रणनीतिक महत्व रखते हैं। भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग महत्वपूर्ण है। विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा की उपलब्धता, तकनीकी सहयोग और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक आर्थिक आवश्यकताओं से जुड़ा है। इसी प्रकार रक्षा क्षेत्र में सहयोग से आधुनिक तकनीक, उपकरणों के उत्पादन और औद्योगिक साझेदारी के अवसर बन सकते हैं। तकनीक के क्षेत्र में सहयोग भी विशेष महत्व रखता है। डिजिटल सेवाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उच्च विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी भारत के विकास लक्ष्यों को समर्थन दे सकती है। हालांकि, तकनीकी सहयोग के साथ डेटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा, घरेलू क्षमता निर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा। भारत को किसी भी साझेदारी में अपनी स्वतंत्र निर्णय क्षमता बनाए रखते हुए सहयोग के अवसरों का उपयोग करना चाहिए। मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अर्थ केवल किसी बड़े साझेदार के साथ निकटता नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र रूप से स्तुलित नीति अपनाना भी है। व्यापार समझौते की घोषणा निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत दे सकती है, लेकिन उसकी सफलता का आकलन ठोस परिणामों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। क्या इससे भारतीय निर्यात में वास्तविक वृद्धि होगी? क्या निवेश बढ़ेगा? क्या रोजगार के अवसर पैदा होंगे? क्या छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा? और क्या भारत अपने संवेदनशील क्षेत्रों की पर्याप्त सुरक्षा कर पाएगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर समझौते को समझौते से संबंधित प्रमुख प्रावधानों को पारदर्शी तरीके से सामने लाना चाहिए।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?



ललित गर्ग

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है।

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयेोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे? किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि



घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितिओं को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है। कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंजुलेंट तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा

से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से

घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिनका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने धर्म का निर्वाह करना है। अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारों से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दण्डियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयोजनों के लिए लागू किए जाने वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए। आयोजक समितियों, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं का पालन केवल कागजों में नहीं, जमीन पर दिखाई देना चाहिए। कोलकाता की त्रासदी हमें चेतावनी दे रही है कि उत्सव की कीमत पर हम समझेंगे कि कोई भी उत्सव, कोई भी आयोजन और कोई भी धार्मिक आस्था मनुष्य के जीवन से बड़ी नहीं हो सकती। आस्था का सच्चा सम्मान तभी होगा, जब हर श्रद्धालु उत्सव में सुरक्षित प्रवेश करे और सकशल अपने घर लौटे।

चीड़ के पेड़ों के बीच फंसी बस, टला बड़ा हादसा



दुगड्डा-गुमखाल के मध्य दुर्घटनाग्रस्त हुई बस

भदालीखाल के छोटा भेल्ला के समीप दुर्घटना, 30 यात्री थे सवार जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुगड्डा-गुमखाल के बीच भदालीखाल के छोटा भेल्ला के समीप बुधवार दोपहर जीएमओयू की एक बस अनियंत्रित होकर खाई की ओर जा गिरी। गनीमत रही कि बस सड़क किनारे खड़े दो चीड़ के पेड़ों के बीच फंस गई, जिससे बड़ा

हादसा टल गया। दुर्घटना में बस सवार कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आईं। वहीं, बस की चपेट में आने से सड़क के नीचे निर्माणाधीन होटल की रेलिंग और शौचालय का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

बुधवार दोपहर कोटद्वार से 30 यात्रियों को लेकर बस पौड़ी की ओर जा रही थी। भदालीखाल के छोटा भेल्ला के समीप मोड़ पर पहुंचते ही बस अनियंत्रित होकर खाई की तरफ गिर गई। अचानक हुई घटना

से बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस को खाई की ओर गिरता देख आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू करते हुए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलने पर दुगड्डा और लैसडौन से पुलिस व एसडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंच गईं। टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, हादसे में कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं। किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है।

प्रेशर पाइप फटने से अनियंत्रित हुई बस

बस चालक अशोक भगमाई पुत्र राजाराम, निवासी पटेल मार्ग, कोटद्वार के अनुसार, भदालीखाल के समीप अचानक बस का प्रेशर पाइप फट गया। इससे बस आगे नहीं बढ़ सकी। सड़क पर ढलान होने के कारण बस पीछे की ओर खिसकने लगी और अनियंत्रित होकर खाई की तरफ गिर गई। हालांकि, सड़क किनारे खड़े दो चीड़ के पेड़ों के बीच फंसने से बस गहरी खाई में जाने से बच गई।

जल्द होगा रामलीला मैदान का सौंदर्यीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : रामलीला मैदान का जल्द सौंदर्यीकरण होगा। यहां भवन, मंच सहित विभिन्न निर्माण कार्य होंगे जिन पर करीब पौने दो करोड़ रुपये खर्च होंगे। कैबिनेट मंत्री डॉ. वन सिंह रावत ने कहा कि रामलीला मंचन समाप्त के बाद यह निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।

क्षेत्र के विकास में धन की कोई कमी नहीं है। रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. रावत ने कहा कि रामलीला समाप्त के बाद करीब 1.75 करोड़ की लागत से रामलीला मैदान का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मैदान में आवश्यक सुविधाओं को विकसित किया जाएगा जिससे लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि श्रीनगर क्षेत्र के लिए करीब 70 करोड़ की लागत से नई पेयजल पाइपलाइन बिछाई जाएगी। जीएनटीआई मैदान को खेल प्रेमियों को उपलब्ध कराने को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही श्रीकॉट स्टेडियम के निकट लगभग 200 वाहनों की पार्किंग क्षमता वाली पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है। (एजेसी)

श्रीनगर बाजार में बढ़ने लगी त्योहार की रौनक

श्रीनगर गढ़वाल : शादी के बाद पहला करवाचौथ हो तो तैयारियों और उत्साह की बात ही अलग होती है। करवाचौथ नजदीक आने के साथ ही श्रीनगर के बाजारों में भी त्योहार की रौनक बढ़ने लगी है। महिलाएं चूड़ियां, कंगन, मेहंदी और पूजन सामग्री की खरीदारी में जुटने लगी हैं।

श्रीनगर की अनु शादी के बाद इस बार पहली बार करवाचौथ का व्रत रखेंगी। वह कहती हैं शादी के बाद पहला करवाचौथ है तो इसे मनाने का खास उत्साह है। वहीं पुनम दस साल से यह व्रत रख रही हैं। वह कहती हैं कि करवाचौथ हमारे लिए आस्था से जुड़ा पर्व है। वहीं शहर के गोला बाजार, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग, काला रोड और गणेश बाजार में दुकानें सजी हुई हैं। महिलाएं परिधानों के अनुरूप चूड़ियां और कंगन पसंद कर रही हैं।

दशहरा मेले के बाद ओमकारेश्वर रामलीला समिति ने चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कण्वाश्रम में दशहरा मेले के आयोजन के बाद ओमकारेश्वर रामलीला समिति की ओर से मेला मैदान में स्वच्छता अभियान चलाया गया। समिति के सदस्यों ने मैदान में जगह-जगह फैले कूड़े को एकत्रित कर निस्तारण किया। साथ ही स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने की अपील की। समिति के सदस्यों ने बताया कि एक दिन पूर्व मैदान में दशहरा मेले का आयोजन किया गया था, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। मेले के बाद मैदान में जगह-जगह गंदगी बिखरी हुई थी। इसे देखते हुए समिति ने मैदान को स्वच्छ करने के उद्देश्य से अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान के दौरान सदस्यों ने मैदान में फैले कूड़े को एकत्रित कर साफ-सफाई की। साथ ही आसपास के लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाने और



कूड़ेदान का उपयोग करने की अपील की। समिति सदस्यों ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के बाद स्वच्छता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों में भाग लेने वाले लोगों को भी अपने

अतिक्रमण की भेंट चढ़े

फुटपाथ, राहगीर परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : शहर में राहगीरों की सुविधा के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग को किनारे बनाए गए फुटपाथ अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं। कहीं दोहलिया और बड़े वाहन खड़े हैं तो कहीं फड़-टेलियों का कब्जा है। ऐसे में पैदल चलने वालों को फुटपाथ छोड़कर सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ने के साथ ही यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। शहरी क्षेत्र में सड़क किनारे बने स्टैंब पर बेतरतीब खड़े वाहन और फड़-टेलियां लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। यात्राकाल और वीकेंड के दौरान वाहनों का दबाव बढ़ने पर यह जाम का कारण भी बनते हैं। वहीं राहगीरों को हर समय वाहनों की आवाजाही के बीच दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

उत्तर रेलवे	
सुद्धि पत्र	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / मुख्यालय / मुख्याबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी बैंकसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।	
Tender No. Date	222-DRM-MB-26-27 dt. 19.10.2026
Name of work	(BE-CH) TSR(P)-46.653 tkm & (CH-ALJN) TSR(P)-13.080 tkm by using Contractor's own SQRS machine in the Jurisdiction of Sr.DEN/HQ/MB
Tender Closing Date Time	16.11.2026
Advertised Value (Rs.)	9,80,42,149.39
Earnest Money (Rs.)	19,60,900.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	02.11.2026
Period of Completion	15 Month
पत्रांक- 75-W/23/MA/Publication दिनांक : 21.10.2026 3651/2026	
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

अनुकंपा आधार पर नियुक्ति से संबंधित मामलों के शीघ्र निपटान हेतु

10 नवंबर 2026 विशेष अदालत

दिल्ली, लखनऊ, मुरादाबाद, फिरोजपुर, अंबाला मंडल, जम्मू एवं उत्तर रेलवे, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली के कार्यालय परिसर में 10.11.2026 को सुबह 11:00 बजे आयोजित अदालत द्वारा मौके पर ही मामलों का निपटान
अनुकंपा आधार पर नियुक्ति से संबंधित अपना अभ्यावेदन दो प्रतियों में अन्य संबंधित दस्तावेज के साथ जिस मंडल से संबंधित है, उस मंडल के वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी या मंडल कार्मिक अधिकारी को और प्रधान कार्यालय के मामलों में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (HQ-4) को दो प्रतियों में सम्बंधित कागजात के साथ 31.10.2026 तक अवश्य प्रेषित करें।

नोट:— (i) वर्कशॉप तथा अतिरिक्त इकाइयों से सम्बंधित अनुकम्पा के मामलों में संलग्न मंडल को अभ्यावेदन दें।
(ii) पुराने तय मामलों पर विचार नहीं किया जाएगा।

उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (HQ—I), उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय बड़ौदा हाउस, केजी मार्ग, नई दिल्ली — 110001 वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली — 110001 वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, हजरत गंज, लखनऊ—226001 वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, रेल विहार, अंबाला कैट, अंबाला — 133001	वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, रेलवे स्टेडियम के पास, मुरादाबाद — 244001 वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेशन रोड, फिरोजपुर कैंट, फिरोजपुर — 152001 वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, त्रिकुटा नगर, जम्मू — 180004
---	--



उत्तर रेलवे
आपकी सेवा में सदैव तत्पर

3657/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हिंदी साहित्य के लेखक प्रो. नन्दकिशोर ढौंडियाल ‘अरूण’ का अभिनन्दन ग्रंथ जल्द प्रकाशित होगा। प्रो. ढौंडियाल अब तक 201 पुस्तकों को लिख चुके हैं। बुधवार को गढ़वाली चौक ध्रुवपुर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रो. नन्दकिशोर ढौंडियाल ‘अरूण’ डी. लिट अभिनन्दन ग्रंथ समिति का गठन किया गया। जिसमे संरक्षक प्रकाश चन्द्र कोठारी व डॉ. मनोरमा ढौंडियाल, निदेशक चंद्रप्रकाश नैथानी, प्रधान संपादक

डॉ. अशोक गिरी, संपादक मंडल में डॉ. ललन कुमार बुडकोटी, डॉ. बीना वशिष्ठ, सम्पति नेगी संध्या विद्यावानस्पति, कार्यकारी संपादक डॉ. सुरेन्द्र लाल आर्य सर्वोदयी भूषण, प्रबंध संपादक मंजुल किशोर ढौंडियाल, समन्वयिका दीपशिखा ढौंडियाल व निरीक्षक मोहित रावत को चुना गया। इस अवसर पर प्रकाशचंद्र कोठारी ने कहा कि वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. ढौंडियाल ने अपार साहित्य का सृजन किया है

उसका परिचय व मूल्यांकन अभी भी सही अर्थों में नहीं हुआ है। साहित्यांचल के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश नैथानी ने कहा कि गढ़वाल की दिवंगत विभूतियाँ लिखकर प्रो. ढौंडियाल ने उन विभूतियों को पचाना दिखाई है जो अब तक गुमनामी के अंधेरे में थे। सभा में प्रकाश चन्द्र कोठारी, डॉ. सुरेन्द्र लाल आर्य, डॉ. ललन कुमार बुडकोटी, डॉ. मनोरमा ढौंडियाल, चंद्रप्रकाश नैथानी, मंजुल किशोर ढौंडियाल, मोहित रावत आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार मां-बाप की डांट से नाराज होकर जम्मू पहुंची युवती जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : माता-पिता की डांट से नाराज होकर घर से निकली युवती जम्मू पहुंच गईं। परिजनों की शिकायत पर कोटद्वार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती को जम्मू रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद युवती को स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया।

कोटद्वार निवासी एक व्यक्ति ने 18 अक्टूबर को कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी 17 अक्टूबर को सुबह करीब नौ बजे कपड़े खरीदने के लिए बाजार गई थी। देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। युवती की सहेलियों और रिश्तेदारों से पूछताछ करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल पाया। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से बेटी को तलाशने की गुहार लगाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने युवती की तलाश के लिए टीम गठित की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) का विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर युवती के जम्मू पहुंचने की जानकारी मिली। इसके बाद कोटद्वार पुलिस ने जीआरपी जम्मू-कश्मीर से संपर्क स्थापित किया और स्थानीय पुलिस की मदद से युवती को जम्मू रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में युवती ने बताया कि वह माता-पिता की डांट से नाराज होकर घर से चली गई थी।

पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवती की सकुशल बरामदगी से परिजनों ने राहत की सांस ली।

आमपड़ाव-इंद्रानगर मार्ग की बदहाली से लोग परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आमपड़ाव आर्मी कैंटीन के समीप रहने वाले लोगों ने आमपड़ाव-इंद्रानगर मार्ग की मरम्मत कराने और इंटरलाकिंग टाइल लगाने की मांग उठाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग की बार-बार मरम्मत होने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। हल्की वर्षा होते ही मार्ग पर पानी भर जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इस संबंध में नितिन अग्रवाल ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को ज्ञापन सौंपकर मार्ग की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आमपड़ाव-इंद्रानगर मोहल्ले में सैकड़ों परिवार रहते हैं। इसके बावजूद मार्ग की बदहाल स्थिति के कारण लोगों को आवाजाही में दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि मार्ग की हर बार मरम्मत कराई जाती है, लेकिन कुछ समय बाद ही इसकी स्थिति फिर खराब हो जाती है। हल्की वर्षा होने पर सड़क पर पानी जमा हो जाता है। वहीं, जगह-जगह खराब मार्ग के कारण दोहलिया वाहन चालकों के रफ्तार का खतरा भी बना रहता है। नितिन अग्रवाल ने कहा कि स्थानीय लोग लंबे समय से मार्ग पर इंटरलाकिंग टाइल लगाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से जातिष्ठ में समस्या का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देते की मांग की, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन की समस्या से निजात मिल सके।

श्रीराम-भरत मिलाप देख भावुक हुए श्रद्धालु, इंडाचौक में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रामलीला कमेटी मालवीय उद्यान की ओर से इंडाचौक में राम-भरत मिलाप का मंचन किया गया। भगवान श्रीराम और उनके अनुज भरत के मिलन का भावपूर्ण दृश्य देखकर श्रद्धालु भावुक हो उठे। दोनों भाईयों के गले मिलते ही पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

मंचन के दौरान दिखाया गया कि भगवान श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मिलने के बाद उनके छोटे भाई भरत ने राजगद्दी स्वीकार नहीं की। उन्होंने श्रीराम की खड़ाऊं को सिंहासन पर रखकर उनके प्रतिनिधि के रूप में राज्य का संचालन किया।

स्वयं भरत ने राजसी सुख-सुविधाओं का त्याग कर तपस्वी का जीवन व्यतीत किया और अपने बड़े भाई की वापसी का इंतजार करते रहे। वनवास की अवधि पूरी होने पर भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर भरत उनसे मिलने पहुंचे। लंबे

राम-भरत मिलाप ने दिया

भाईचारे का संदेश

राम-भरत मिलाप का प्रसंग भाईचारे, त्याग, मर्यादा और पारिवारिक प्रेम का प्रतीक है। भरत ने राजपाट का मोह त्यागकर जिस तरह अपने बड़े भाई के प्रति समर्पण दिखाया, वह समाज को रिश्तों की गरिमा बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

रामलीला कमेटी ने इस आयोजन से श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़ने का संदेश दिया।

25 अक्टूबर को गांधी चौक में होगी उत्तराखण्ड न्याय यात्रा

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ली न्याय यात्रा को सफल बनाने की शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। लैसडौन : उत्तर-ाखण्ड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में आगामी 25 अक्टूबर (रविवार) को लैसडौन के गांधी चौक में हूउत्तराखण्ड न्याय यात्राह का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर न्याय यात्रा को ऐतिहासिक बनाने और जनहित, जनाधिकारों तथा लोकतंत्र की आवाज को बुलंद करने का संकल्प लिया।

इस यात्रा को सफल बनाने के लिए नगर कांग्रेस कमेटी लैसडौन की एक महत्वपूर्ण बैठक हिंदू पंचायती धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए नगर अध्यक्ष रोशन शाह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के मार्गदर्शन में होने वाली यह न्याय यात्रा प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आम जनता की आवाज बनेगी। उन्होंने कहा कि लैसडौन की जनता इस यात्रा में बड़ चढ़कर भाग लेगी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि गणेश गोदियाल के नेतृत्व में गांधी चौक लैसडौन से निकलने वाली न्याय यात्रा प्रदेशभर के लिए प्रेरणा होगी। बैठक में जिला उपाध्यक्ष गंभीर सिंह रावत, जसोदन सिंह असवाल, सुनील सिंह पूर्व प्रधान,



जगमोहन सिंह, रघुवीर सिंह, शक्ति सिंह, नानक सिंह, सफ़ीक कुरैशी, रिखणीखाल अध्यक्ष रवींद्र रावत, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद रावत, अनिल रावत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम नरेन्द्र सिंह और माता का नाम कान्ती देवी गलत दर्ज है, जबकि मेरे पिता और माता का सही व वास्तविक नाम नरेन्द्र सिंह रावत और कान्ती रावत है, जो नाम उनके समस्त अभिलेखों में दर्ज है। मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पिता और माता का सही और वास्तविक नाम नरेन्द्र सिंह रावत और कान्ती रावत दर्ज कर संशोधित जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

आशीष रावत पुत्र नरेन्द्र सिंह रावत 2/3 कालागुड़ी बाजार, लैसडौन, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड, पिन 246155। (0617/21)

पर्यटन नगरी में पर्यटन विकास की थमी रफ्तार, सुविधाओं के अभाव में घट रहे सैलानी

फतेहपुर-लैसडौन मोटर मार्ग के चौड़ीकरण से लेकर मनोरंजन सुविधाओं तक उठे सवाल

जयन्त प्रतिनिधि। लैसडौन : प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और ऐतिहासिक पहचान के लिए प्रसिद्ध पर्यटन नगरी लैसडौन में पर्यटन विकास को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि बीते वर्षों में यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ने के बजाय कम हुई है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टोस योजनाओं, मनोरंजन सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास की कमी का असर स्थानीय व्यापार पर भी दिखाई दे रहा है। लोगों का आरोप है कि राज्य सरकार की ओर से पर्यटन नगरी के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

लैसडौन में पर्यटन की संभावनाएं होने के बावजूद पर्यटकों को आकर्षित करने में पर्यटन विकास को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि बीते वर्षों में यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ने के बजाय कम हुई है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टोस योजनाओं, मनोरंजन सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास की कमी का असर स्थानीय व्यापार पर भी दिखाई दे रहा है। लोगों का आरोप है कि राज्य सरकार की ओर से पर्यटन नगरी के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जिला अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़, ओपीडी 350 के पार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : तीन दिन के अवकाश के बाद बुधवार को जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। अस्पताल खुलते ही उपचार के लिए मरीजों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। वहीं, मौसम में बदलाव के बीच सर्दी-जुकाम से पीड़ित मरीज भी उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। मरीजों ने चिकित्सकों से परामर्श लेकर दवाएं लीं। सुबह से ही ओपीडी के बाहर मरीजों और उनके तीमारदारों की आवाजाही बनी रही। अस्पताल में अधिक संख्या में मरीज पहुंचने के कारण चिकित्सकों और स्वस्थ कर्मियों की व्यस्तता भी बढ़ गई। ओपीडी के बाहर पंजीकरण और चिकित्सकों से परामर्श लेने के लिए मरीजों की लंबी कतारें लगी रही। मरीजों की संख्या बढ़ने से अस्पताल में दिनभर काफी चलन-वहल रहने लगी। जिला अस्पताल के पीएमएस डॉ. एलडी सेमवाल ने बताया कि बुधवार को अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या 350 के पार पहुंच गई। बताया कि लगातार तीन दिन के अवकाश के बाद अस्पताल



खुलने के कारण मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ। अवकाश के दौरान उपचार नहीं मिल पाने के कारण कई मरीज बुधवार को अस्पताल पहुंचे। इसके चलते ओपीडी में सामान्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़ देखने को मिली। फिजीशियन डॉ. आनंद खंकरियाल ने बताया कि मौसम में बदलाव के दौरान सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में लोगों को ठंड से बचाव करने, साफ-सफाई का ध्यान रखने और परेशानी होने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी जाती है।

एक नजर

प्रभात फेरी और कार्यक्रमों के साथ शरदोत्सव शुरू

पोखरी (चमोली)। 20वें हिमवत कवि चंद्रकुंवर बर्तवाल खादी ग्रामोद्योग एवं शरदोत्सव का बुधवार को रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आगाज हो गया। स्कूली बच्चों ने नगर में प्रभात फेरी निकाली जबकि महिला मंगल रत्नों ने झुमेलों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। मुख्य बाजार में सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. बृजमोहन खाली, राज्य महिला आयोग की सदस्य वत्सला सती, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी और नगर पंचायत अध्यक्ष सोहन लाल ने मेले का शुभारंभ किया। मेले के शुरुआत में जीजीआईसी पोखरी, जीआईसी नागनाथ पोखरी, टैगोर इंटरमीडिएट कॉलेज पोखरी और एबीएम इंटर कॉलेज पोखरी सहित अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाली। विनायक धार से शुरू हुई प्रभात फेरी गोल मार्केट होते हुए मेला मैदान पहुंची। जीजीआईसी पोखरी की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, इंटर कॉलेज आली की छात्राओं ने शिव स्तुति, ग्राम पंचायत बल्ली के महिला मंगल दल ने झुमेलों की शानदार प्रस्तुति दी। इस दौरान केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग की नागनाथ रेंज के वन क्षेत्राधिकारी कपिल गुसाईं और अलकनंदा भूमि संरक्षण वन प्रभाग की पोखरी रेंज के वन क्षेत्राधिकारी भीरुल शाह ने वन पंचायत के सरपंचों को सम्मानित किया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य दिव्या भारती, वीरेंद्र सिंह राणा, संतोष चौधरी, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राधानाथ रावत, नगर मंडल अध्यक्ष अमर सिंह रावत, रंजना रावत आदि मौजूद रहे।

नशे में मिला चालक, ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त, बस सीज

कर्णप्रयाग। परिवहन विभाग की ओर से चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में एक चालक नशे की हालत में मिला। अधिकारियों ने एल्कोमीटर से उसकी जांच की। ऐसे में मौके पर ही चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किया गया। बस को सीज कर चालक को पुलिस को सौंप दिया गया जबकि बस में बैठे 35 सवारियों को अन्य वाहन से गंतव्य के लिए भेजा गया। ऋषिकेश-बदरनाथ हाईवे पर परिवहन विभाग की ओर से भक्तुंडा के पास वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान बदरनाथ से ऋषिकेश की ओर जा रही यात्रियों की बस को अधिकारियों ने रोक दिया। चालक की एल्कोमीटर से जांच की गई तो उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। सभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) एके जायसवाल ने बताया कि जांच के बाद वाहन को सीज कर दिया गया जबकि चालक को हिरासत में लेकर उसे पुलिस को सौंपा गया। वहीं वाहन में सवार 35 यात्रियों को अन्य वाहनों से ऋषिकेश के लिए रवाना किया गया। एआरटीओ एके जायसवाल ने बताया कि चारघमा पर आने वाले श्रद्धालुओं की हिफाजत करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने वाहनों में बैठने वाले लोगों से अपील की यदि किसी भी चालक की ओर से शराब का सेवन करने का आभास होता है तो तुरंत परिवहन विभाग या पुलिस को इसकी जानकारी दे।

थिएटर वैन के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

बड़कोट। डाक विभाग की सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अब मनोरंजक तरीके से आम लोगों तक पहुंचाई जा रही है। इसी उद्देश्य से भारतीय डाक विभाग की ओर से चलाए जा रहे जनगरूकता अभियान के तहत थिएटर वैन बड़कोट पहुंची। बस स्टैंड पर स्थानीय लोगों को डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं और योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। डाक मेल दिवस पर चलाए जा रहे अभियान के तहत बीते दिवस बड़कोट उपमंडल क्षेत्र में थिएटर वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। अभियान का उद्देश्य डाक विभाग की सेवाओं को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को विभाग की योजनाओं से जोड़ना है। थिएटर वैन के माध्यम से लोगों को डाक विभाग की सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं से परिचित कराया गया।

फतेहपुर-लैसडौन मोटर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग भी लंबे समय से उठती रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि सड़क की बेहतर सुविधा और पर्यटकों के लिए नए आकर्षण विकसित होने से पर्यटन गतिविधियों को गति मिल सकती है। टीआरएच लैसडौन के प्रबंधक जितेंद्र सिंह का कहना है कि पहले की तुलना में यहां पर्यटकों की संख्या कम हुई है, जबकि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई सुविधाओं का विकास अपेक्षित है। उनका कहना है कि चिड़ियाघर, टॉय ट्रेन, मनोरंजन पार्क और बच्चों के पार्क जैसी सुविधाएं विकसित की जाएं, तो पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। स्थानीय व्यापारी आलोक अग्रवाल का कहना है कि पहले लैसडौन में शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन मौसम के दौरान पर्यटकों को आकर्षित करने



के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे, लेकिन लंबे समय से ऐसे आयोजन नहीं होने से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयासों पर सवाल खड़े होते हैं। उनका कहना है कि नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्थानीय आयोजनों से पर्यटकों का जुड़ाव बढ़ाया जा सकता है।

पार्किंग से सड़क की समस्या भी बनी चुनौती

कांग्रेस नगर अध्यक्ष रोशन शाह ने लैसडौन में पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता बताई। उनका कहना है कि पर्यटकों की सुविधा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था जरूरी है। वहीं, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश्वर अग्रवाल ने फतेहपुर-लैसडौन मोटर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग उठाते हुए कहा कि सड़क के बेहतर होने से स्थानीय लोगों के

साथ ही पर्यटकों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। इससे पर्यटन गतिविधियों और व्यापार को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

15 वर्षों बाद भी सड़क चौड़ीकरण का इंतजार

लैसडौन विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता रघुवर बिष्ट ने क्षेत्र में पर्यटन विकास और सड़क चौड़ीकरण को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय विधायक महंत दिलीप रावत को लगभग 15 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन उनके अनुसार अब तक फतेहपुर-लैसडौन मोटर मार्ग का चौड़ीकरण नहीं हो पाया है। उन्होंने इसे क्षेत्र के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए सड़क चौड़ीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यालयों के स्थानांतरण और पलायन से प्रभावित क्षेत्र

स्थानीय लोगों के अनुसार, लैसडौन से विभिन्न कार्यालयों के स्थानांतरण, तहसील के कार्य क्षेत्र के विभाजन, लगातार हो रहे पलायन और व्यापार में आई सुस्ती ने भी नगर की आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। कुछ कार्यालयों में तैनात

कर्मचारियों के कोटद्वार से आवागमन करने की बात भी स्थानीय स्तर पर उठाई जा रही है। लोगों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और सरकारी गतिविधियां कम होने से बाजार की रैनाक प्रभावित हुई है।

पर्यटन मंत्री की भूमिका पर उठाएँ सवाल स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि पर्यटन नगरी लैसडौन को विकसित करने के लिए दीर्घकालिक योजना की जरूरत है। पर्यटन मंत्री की ओर से क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं पर कितना ध्यान दिया जा रहा है, यह भी स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय है। लैसडौन की पहचान और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सड़क चौड़ीकरण, पार्किंग व्यवस्था में सुधार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की नियमित शुरुआत, बच्चों के मनोरंजन की सुविधाएं और स्थानीय पर्यटन स्थलों के विकास जैसे कदम महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

अब देखना यह है कि पर्यटन नगरी के विकास और स्थानीय कारोबार को नई दिशा देने के लिए सरकार तथा संबंधित विभाग कब टोस पहल करते हैं।

सुबह ग्रामीणों ने खोली सड़क, शाम को वाहन के ऊपर गिरा मलबा



उत्तरकाशी। संगमचट्टी-अगोड़ा मोटर मार्ग पर बुधवार सुबह गजोली के समीप भूस्खलन होने के कारण सड़क बंद हो गई थी। इससे मसूरी के एक विद्यालय के छात्र-छात्राएं व ग्रामीणों के वाहन फंस गए थे। उसके बाद ग्रामीणों ने स्वयं ही मलबा हटकर आवाजाही शुरू करवाई। दूसरी ओर बुधवार शाम को उसी स्थान पर एक यूरिलटी वाहन पर अचानक मलबा

गिरा जिससे वाहन खाई में गिरने से बाल-बाल बचा। वाहन में सवार चार लोगों ने कुदरत जान बचाई।

स्थानीय निवासी राजेश पंवार, मान सिंह ने बताया कि संगमचट्टी-अगोड़ा मोटर मार्ग पर गजोली के समीप बरसात के बाद से भूस्खलन सत्रिम है। पिछले दिनों भी वहां पर करीब एक माह आवाजाही बंद रही थी। बुधवार सुबह अचानक साफ मौसम में भूस्खलन होने के कारण सड़क बंद हो गई थी। इससे मसूरी के एक निजी विद्यालय के छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों के वाहन फंस गए थे। राजेश पंवार ने बताया कि जब इस संबंध में पीएमजीएसवाई के अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया गया तो उनकी ओर से रसीव नहीं किया गया। उसके बाद ग्रामीणों ने स्वयं ही वहां पर मलबा हटकर आवाजाही शुरू करवाई। इसके बाद वहां से वाहन निकाले गए लेकिन बुधवार शाम को उसी भूस्खलन जोन पर एक बड़ी घटना होने से बच गई।

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण में देरी पर भड़की संघर्ष समिति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग के निर्माण में हो रही देरी पर संघर्ष समिति ने आक्रोश जताया है। समिति का कहना है कि मोटर मार्ग निर्माण की घोषणा होने के बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं होना सरकार और विभाग की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े करता है। समिति ने जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर क्षेत्रीय जनता के साथ उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। इस संबंध में समिति के पदाधिकारियों ने बुधवार को दुगड्डा स्थित लोक निर्माण विभाग के कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

पूर्व सैनिक रवींद्र सौंद के नेतृत्व में संघर्ष समिति के सदस्य लोक निर्माण विभाग कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। समिति के पदाधिकारियों को बताया गया कि लालढांग-चिल्लरखाल के बीच पड़ने वाली दोनों नदियों पर कंक्रीट के रफ्ट बनाए जाने प्रस्तावित हैं। वहीं, 4.7 किलोमीटर लंबे टाइगर बफर जोन में इंटरलाकड टाइल्स की सड़क बनाई जाएगी। इसके अलावा लालढांग से चमरिया बैंड और चिल्लरखाल से सिगड़ी



स्रोत तक हार्टपक्स ब्लैक टॉपिंग की योजना है। समिति के अनुसार, इन कार्यों का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, लेकिन अभी तक मोटर मार्ग निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत नहीं हुई है। इसके साथ ही

नशे में ड्राइविंग करने पर वाहन सीज

पोखरी (चमोली)। थाना पोखरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान मोहनखाल बैरियर पर एक चालक को नशे में वाहन चलाते पाया। चालक के पास कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाए गए, इसपर पुलिस ने चालक के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए वाहन को सीज कर दिया। थानाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार पंत ने बताया कि पुलिस की ओर से क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने मोहनखाल बैरियर पर अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग के चालक अनुप भट्ट को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ लिया। उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी व प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र भी नहीं पाए गए।

रामलीला के कलाकारों को किया गया सम्मानित

उत्तरकाशी। आदर्श रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला का बुधवार को भगवान श्रीराम के रज्ज्याभिषेक के साथ समापन हो गया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दशरथ पर रावण वध के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देने के बाद बुधवार को समिति की ओर से शोभायात्रा निकाली गई। आजाद मैदान से शुरू हुई शोभायात्रा नगर के प्रमुख चौक-चौराहों से होते हुए रामलीला मंच पर पहुंची। यहां लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे भगवान श्रीराम का विधि-विधान से

रज्ज्याभिषेक किया गया। श्रीराम के अयोध्या का राजपट्ट संभालने के प्रसंग के साथ रामलीला का समापन हुआ।समापन अवसर पर रामलीला के सफल मंचन में योगदान देने वाले कलाकारों को समिति की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व चारघमा विकास परिषद के अध्यक्ष सूरतगम नौटियाल, नगरपालिका अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, डॉ. भगवत नौटियाल ने रामलीला के पात्रों को सम्मानित किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष डॉ. जयेंद्र सिंह पंवार, शांति प्रसाद भट्ट, अरविंद सिंह राणा, ब्रह्मानंद नौटियाल, रमेश चौहान, महेंद्र सिंह पंवार, चंद्रमोहन सिंह पंवार, अब्बल सिंह पंवार, खुशहाल सिंह चौहान और विजय चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सुरक्षात्मक कार्यों से बदहाल हुई औली सड़क



ज्योतिर्मठ। नगर में चल रहे भू-स्थिरकरण और सुरक्षात्मक कार्यों के कारण औली सड़क की स्थिति बदहाल बनी हुई है। नवंबर से औली में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। ऐसे में पर्यटन सीजन से पहले सड़क की स्थिति नहीं सुधरी तो पर्यटकों को जाम और आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़

सकता है। इन दिनों औली रोड पर जगह-जगह सीवर और ड्रेनेज का कार्य चल रहा है। नालियों के निर्माण के लिए सड़क की खोदाई की जा रही है जिससे मार्ग पर मिट्टी और मलबे के ढेर लगे हैं। बर्फबारी शुरू होते ही औली में पर्यटकों की भीड़ उमड़ने लगती है। पहले से संकरी सड़क पर निर्माण कार्य के चलते जाम की समस्या और गंभीर हो सकती है। स्थानीय सोहन सिंह बैजवाड़ी, अमित कवाण और गिरीश थपलियाल का कहना है कि सुरक्षात्मक कार्यों के कारण सड़क की स्थिति बदहाल है। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्य पूरा कर सड़क की स्थिति सुधारने की मांग की। वहीं उा जिलाधिकारी चंद्रशेखर वाशिष्ठ ने बताया कि संबंधित अधिकारियों के साथ जल्द बैठक कर सड़क की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए जाएंगे।

पांच किमी पैदल चलने के लिए ग्रामीण मजबूर

उत्तरकाशी। धौतरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत जालंग गांव के लिए वर्ष 1989 में वन विभाग की ओर कमन्द-अयारखाल मोटर मार्ग से जालंग तक तीन किमी सड़क का निर्माण किया गया था लेकिन मरम्मत नहीं होने अब यह सड़क बदहाल पड़ी है। इससे ग्रामीणों को पांच किमी पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है।

ग्राम प्रधान गीता राणा ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर सड़क को लोनिवि को हस्तांतरित करने के लिए वन विभाग सहित राजस्व विभाग व लोनिवि के अधिकारियों ने इस पर कुछ समय पूर्व कार्रवाई शुरू की।

इसके तहत सिरि के समीप करीब ढाई हेक्टेयर वन विभाग को हस्तांतरित होने के बाद तीन किमी सड़क लोनिवि के अधिकार क्षेत्र में आनी थी लेकिन तीनों विभागों के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण न कर सिरि के समीप भूमि को हस्तांतरण के लिए प्रस्तावित कर दिया।

उसके बाद जब फाइल उच्च अधिकारियों तक पहुंची तो वहां पर तकनीकी सहित स्थलीय निरीक्षण किया गया तो उस सविबल भूमि पर स्थानीय लोगों के खेत सहित गोशालाएं बनी थी।

दुर्गम गांवों में नुकड़ नाटक से दे रहे

योजनाओं की जानकारी

गोपेश्वर। अक्षत नाट्य संस्था की ओर से देवाल विकासखंड के सुदूरवर्ती गांवों में नुकड़ नाटकों और पारंपरिक जनगीतों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। संस्था की टीम पिछले दस दिनों से क्षेत्र के विभिन्न गांवों में अभियान चला रही है। संस्था के प्रबंधक सुनील नाथन ने बताया कि टीम अब तक वाण, बांक, त्वाणी, देवसारी, धरातला, फलदिया और नंदकेशरी सहित कई गांवों में कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुकी है। स्थानीय बोली-भाषा, लोकगीत और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों की स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

सूडानमें ड़े़न हमले: 160 से अधिक नागरिकों की जान गई, बच्चे सहित लोग निशाने पर

सूडान,एजेंसी। सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फ़ोर्सज़ (आरएसएफ) के बीच जारी गृहयुद्ध अब लोगों के लिए अत्यंत घातक मोड़ ले चुका है। हाल के दिनों में हुए भीषण ड़े़न हमलों में 160 से अधिक लोगों की जान गई है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। ये हमले भीड़भाड़ वाले बाजारों, बस स्टॉप और विस्थापित लोगों के ठिकानों को किए गए हैं, जिससे मानवीय त्रासदी और गहरी हो गई है। सबसे ज्यादा मौतों की खबर दक्षिण–पश्चिमी सूडान के वेस्ट कोडोफ़ान राज्य के अल–दिबाब शहर से आई है। यहां रविवार शाम एक बाजार के पास बस स्टॉप पर हुए ड़े़न हमले में करीब 80 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, और गंभीर रूप से घायल 47 लोगों में से 30 ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई। नागरिक हिंसा पर नज़र रखने वाले संगठन इमरजेंसी ने हमले के लिए सूडानी सेना को जिम्मेदार ठहराया है। इसी तरह, सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित अबेई क्षेत्र में सोमवार को एक बाजार पर हुए ड़े़न हमले में भी लगभग 73 लोग मारे गए। इस हमले का आरोप भी सूडानी सेना पर लगाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ब्लू नाइल प्रांत में विस्थापित लोगों के एक समूह पर हुए ड़े़न हमले में 41 लोगों की जान गई, जिसकी जानकारी इमरजेंसी सर्विस ने दी। राजधानी खार्तूम में हुए हमलों में तीन बच्चों की मौत हुई, जबकि दक्षिण दारफ़ुर राज्य की राजधानी न्याला में 17 लोगों की जान गई, जिसमें आरएसएफ के सात अधिकारी शामिल थे।

पाक एयरलाइनमें बड़ा धोटाला, 20 कर्मचारियों ने प्रीमियम सीट बुकिंगमें की हेराफेरी

–कर्मचारी यात्रियों से एक्स्ट्रा–लेगरूम और ब्लकहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस में प्रीमियम सीटों की बुकिंग को लेकर धोटाला सामने आया है। लाहौर एयरपोर्ट पर 20 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों पर एयरलाइन को 50 लाख पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का चूना लगाने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक ये कर्मचारी यात्रियों से प्रीमियम, एक्स्ट्रा–लेगरूम और ब्लकहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे, लेकिन एयरलाइन के रिकॉर्ड में इन सीटों को सामान्य दिखाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं करते थे। यह हेराफेरी मई 2024 और 2025 के रिकॉर्ड की जांच के दौरान सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर फ़ाइनेंस एंड ऑडिट कमिटी ने इन वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया। ऑडिट में खुलासा होने के बाद अब इन कर्मचारियों के वेतन से 50,60,269 पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा की रकम काटकर पीआईएफ़ के खाते में जमा कराई जा चुकी है। पीआईएफ़ पहले से ही आर्थिक नुकसान, कुप्रबंधन और सरकारी मदद पर अत्यधिक निर्भरता के लिए जानी जाती है। एयरलाइन को लंबे समय से हो रहे घाटे के कारण इसके निजीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, निजीकरण की शर्तों पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि सरकार ने पीआईएफ़ की करीब 650 अरब रुपए की पुरानी देनदारियों को एक होल्डिंग कंपनी में डाल दिया था, ताकि खरीदार को पुराने कर्ज का बोझ न उठाना पड़े। इस कदम की आलोचना करने वालों का कहना है कि पुराने कर्ज का बोझ अंततः जनता पर ही रहेगा। ऐसे समय में जब पीआईएफ़ अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और निजीकरण की राह पर है, प्रीमियम सीटों की कमाई में इस तरह की गड़बड़ी एयरलाइन की आंतरिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है।



उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव फिर खतरनाक स्तर पर

दक्षिण कोरिया ने कहा- वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा

प्योंग यान,एजेंसी। कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सीमा पर सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने और दक्षिण कोरिया के खिलाफ प्रोपेगंडा अभियान दोबारा शुरू करने की धमकी दी है। इसके जवाब में दक्षिण कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी, ज्वार्ट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों को किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब देने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने सीमा पर टकराव का खतरा बढ़ा दिया है। किम यो जोंग ने धमकी देते हुए सीमा के हालात को बेहद अस्थिर बताया और दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्योंगयांग दक्षिण

देश की नकारात्मक छवि बनाने वाले आरोपों व अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल ना हो

भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर यूएन की आलोचना का दिया जवाब

जेनेवा, एजेंसी। भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना का जवाब दिया है। भारत ने चेतावनी दी है कि देश की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए बिना पुष्टि वाले आरोपों और अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बोलते हुए, विदेश मंत्रालय की उप सचिव बरखा ताम्रकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ भारत का जुड़ाव बातचीत, परामर्श, सहयोग, गैर-चयनात्मकता और पारदर्शिता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ जुड़ता है, लेकिन इस जुड़ाव का आधार संवाद, परामर्श, सहयोग, निष्पक्षता और पारदर्शिता जैसे सिद्धांत होने चाहिए।



उन्होंने सदस्य देशों को आगाह किया कि वे रिपोर्ट में दी गई बातों से आगे बढ़कर कोई निष्कर्ष न निकालें। उन्होंने कहा कि हम प्रतिनिधिमंडलों से आग्रह करते हैं कि वे रिपोर्ट का सही संदर्भ में हवाला दें, किसी मानवीय मुद्दे से जुड़ी जानकारी को एक अंतिम फैसले का रूप न दें। भारत ने कहा कि वह उचित दस्तावेजों के साथ सामने

आने वाले विशिष्ट मामलों पर, तय प्रक्रियाओं के जरिए चर्चा करने को तैयार है। हालांकि भारत ने उन कोशिशों का कड़ा विरोध किया, जिनमें बिना पुष्टि वाले आरोपों, अधूरे आंकड़ों या ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल करके दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जाती है, जिनमें भारत से जुड़ी कोई ठोस टिप्पणी नहीं होती। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने यह भी तर्क दिया कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने या चुनिंदा देशों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले, विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर यूएन की आलोचना को नई दिल्ली ने अनुचित और अपने आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य हस्तक्षेप करार दिया था। यह ताजा घटनाक्रम संयुक्त राष्ट्र के 20 से ज्यादा स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञों के एक बयान के बाद सामने आया है। इन विशेषज्ञों ने मंगलवार को चिंता जताई थी कि युवाओं के नेतृत्व में हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के खिलाफ पुलिस ने बार-बार बहुत कठोर रवैया अपनाया है।

फ्रांस दंगों में 54 संगठनों की भूमिका का दावा, भारतीय विचारक भी निशाने पर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दंगों में बदलने और बड़े पैमाने पर हिंसा के पीछे 54 संगठनों और उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थक नेटवर्क का हाथ होने का दावा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट इन घटनाओं की जटिलता को दिखाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे नेटवर्क में कम्युनिस्ट और सोशलिस्ट समूह, छात्र संगठन, ट्रेड यूनियन, फिलिस्तीन समर्थक समूह और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान शामिल हैं, जिन्होंने फ्रांस को प्रभावित करने वाले प्रदर्शनों में कथित रूप से भूमिका निभाई। रिपोर्ट में भारतीय मूल के वामपंथी विचारक और लेखक विजय प्रसाद का विशेष रूप से उल्लेख है। विजय प्रसाद ट्रांस्कॉन्टिनेंटल नामक संस्था के कार्यकारी निदेशक हैं, इस संस्था को अमेरिकी मूल के कारोबारी नेविल रॉय सिंघम से वित्तीय सहायता



मिलने की बात कही गई है। प्रदर्शनों के दौरान प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेरिस-नई दिल्ली-ब्यूनस आयर्स लिखकर अलग-अलग देशों के आंदोलनों के बीच समानता जाहिर की थी, जिसे मीडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शनों को समर्थन देने के उदाहरण के रूप में पेश किया है। इंडियन

अलायंस पेरिस नाम के फ्रांस स्थित भारतीय समुदाय के संगठन का भी उल्लेख है, जिसने फ्रांस और भारत में युवाओं के आंदोलनों के बीच संपर्क स्थापित करने की कोशिश की। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्न् ने वामपंथी राजनीतिक दल ला फ्रांस इंसोमिस (एलएफआई) पर प्रदर्शनों का

राजनीतिक फायदा उठाने और अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट सीधे तौर पर हिंसा भड़काने में सभी 54 संगठनों की भूमिका साबित नहीं करती, बल्कि उनके प्रदर्शनों में शामिल होने और समर्थन देने के जुड़ाव को दिखाती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी संगठन का प्रदर्शन में शामिल होना, समर्थन देना या वीडियो साझा करना अपने आप में हिंसा करने का प्रमाण नहीं है। ये प्रदर्शन मूल रूप से शिक्षा व्यवस्था, महंगाई और सरकारी नीतियों को लेकर शुरू हुए थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं भी हुईं, जिससे इन विरोध प्रदर्शनों का स्वरूप बदल गया।

मध्यावधि चुनाव से पहले ट्रंप को झटका, लोकप्रियता हुई धड़ाम

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आ रही है, जो आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बन गई है। एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक, केवल 31 फीसदी अमेरिकी ही ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट हैं, जो उनके दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों में अब तक का सबसे निचला स्तर है। यह आंकड़ा 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले सामने आया है, जहां प्रतिनिधि सभा और सीनेट की सीटों के लिए मतदान होना है। सर्वेक्षण में कांग्रेस के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी पर 12 अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 47 फीसदी पंजीकृत मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट देने की बात कह रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में केवल 35 फीसदी मतदाता हैं। दो सप्ताह पहले के मुकाबले ट्रंप की लोकप्रियता एक प्रतिशत अंक और गिरी है, जबकि डेमोक्रेट का समर्थन 44 से बढ़कर 47 प्रतिशत और रिपब्लिकन का समर्थन 37 से घटकर 35 प्रतिशत हो गया है। इन नतीजों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिनिधिसभा और सीनेट दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने की उम्मीदों को मजबूत किया है।

भारतीय जेम्स बांड डोभाल से डरा पाकिस्तान... आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए जिम्मेदार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने लगाया आरोप

जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करना है। लंदन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) में जमील ने आरोप लगाया कि भारत अपनी नीति के तहत आंतकवाद का निर्यात कर रहा है और पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के सिद्धांत को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। अपने दावों का समर्थन करने के लिए, उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जिसमें 1971 में मुक्ति वाहिनी और 1980 के दशक में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम सिद्धांत का कार्यान्वयन करार दिया है,

शामिल है। जमील ने 2001 से 2014 के बीच अफगानिस्तान में इंटरनेशनल सिक्योरिटी असिस्टेंस (आईएसएफ) के दौरान अफगान-पाकिस्तान सीमा पर भारत द्वारा छह वाणिज्य दूतावास संचालित करने का भी जिक्र किया। जमील ने भारत पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसका अर्थ है कि ये मिसाइलें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के वॉरहेड ले जा सकती हैं। हालांकि, यह दावा पूरी तरह से निराधार है, क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइलें केवल पारंपरिक वॉरहेड ले जा सकती हैं और वे भारत की सामरिक बल कमान का हिस्सा नहीं हैं। उन्होने आरोप

लगाया कि पिछले साल इसी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने दक्षिण एशिया को परमाणु तबाही के कगार पर पहुंचा दिया था, और यह केवल पाकिस्तान के रणनीतिक संयम के कारण ही स्थिति को बिगड़ने से बचाया जा सका।

जमील ने स्वीडिश थिंक टैंक स्त्रिपी के आकलन का हवाला देकर संकेत दिया कि भारत परमाणु पनडुब्बी से लांच होने वाली मिसाइलों (एसएलबीएम) को तैनात करके पहले हमला करने की क्षमता फिकसित कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने अब अपने कुछ परमाणु वॉरहेड को पनडुब्बी से लांच होने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ



जोड़ दिया है। जमील ने मार्च 2022 में भारतीय वायुसेना द्वारा गलती से ब्रह्मोस मिसाइल लांच किए जाने की घटना को पाकिस्तान पर जानबूझकर किया गया ब्रह्मोस हमला करार दिया। यह मिसाइल एक अभ्यास के दौरान गलती से लांच हुई थी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के खानेवाल जिले में गिरी थी।

विजयदशमी पर ईरान ने भारत को दी बधाई, बुराई के अंधकार को अच्छाई के प्रकाश से दूर करें –अमेरिकी राष्ट्रपति पर कसा तंज– ट्रंप को रावण के रूप में किया पेश

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने विजयदशमी पर भारत को शुभकामनाएं देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर अनोखे और दिलचस्प अंदाज में तंज कसा है। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा था– जब ट्रंप को आखिरकार अपनी गलती का एहसास होता है। इस पोस्ट के जरिए ट्रंप को प्रतीकात्मक रूप से रावण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत के भारतीय त्योहार के प्रतीक का उपयोग करता है। संदेश में ईरान ने भारत के लोगों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं और कहा कि बुराई के अंधकार को हमेशा अच्छाई का प्रकाश दूर करे और सत्य, साहस व सद्भावना की जीत हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूतावास ने उम्मीद जताई कि यह त्योहार भारत में शांति, समृद्धि, आपसी भेलजोल और खुशियां लेकर आएगा। यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और आर्थिक टकराव जारी है, जिससे यह प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश और भी अहम हो जाता है। ऐसे में ट्रंप को लेकर साझा की गई तस्वीर के जरिए ईरान ने अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की है कि ट्रंप उसके मामलों में गलत हैं और ईरान सही है। यह तस्वीर अमेरिका के प्रति ईरान के विरोध और तंज वाले मीम की सीरीज का हिस्सा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी गंभीर बना हुआ है। ऐसे गंभीर भू–राजनीतिक माहौल में ईरान का यह प्रतीकात्मक और तंजपूर्ण संदेश सुखियां बटोर रहा है।



इतिहास और प्रेम का शहर माण्डू

माण्डू को रचने-बसाने का प्रथम श्रेय परमार राजाओं को है। हर्ष, मुंज, सिंधु और राजा भोज इस वंश के महत्वपूर्ण शासक रहे हैं। किंतु इनका ध्यान माण्डू की अपेक्षा धार पर ज्यादा था, जो माण्डू से महज 30 किलोमीटर है। परमार वंश के अंतिम महत्वपूर्ण नरेश राजा भोज का ध्यान वास्तु की अपेक्षा साहित्य पर अधिक था और उनके समय संस्कृत के महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। मांडू प्राचीन शहर है और इसका जिक्र 555 ईसवी के संस्कृत अभिलेखों में भी है। इन अभिलेखों से पता चलता है कि मांडू छठी शताब्दी का खूबसूरत शहर हुआ करता था। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में परमार वंश के शासकों ने इस पर अधिकार किया और इसका नाम मांडवगढ़ रखा। 13वीं शताब्दी में परमारों ने अपनी राजधानी धार से मांडू स्थानांतरित कर दी और इस शहर का महत्व बढ़ गया। 1305 में खिलजी वंश से पराजित होने के बाद परमारों का मांडू से आधिपत्य समाप्त हो गया। मध्य प्रदेश के 21 वर्ग किलोमीटर तक फैले पठार पर बना मांडू, प्रेम के शहर के रूप में भी याद किया जाता है। यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला और दक्षिणी इंदौर के पश्चिम में बसा हुआ है।

मुगलों के साम्राज्य के पतन के बाद मालवा के अफगान गवर्नर दिलावर खान ने मांडू को स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने मांडू का नाम बदलकर सादियाबाद यानी खुशियों का नगर रखा। दिलावर खान गौरी के पुत्र हरशंग शाह ने मांडू का विकास किया और इसे संपन्न बनाया। यह युग मांडू का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसके बाद कई मुगल शासकों ने मांडू पर राज किया फिर 1732 में मराठों ने इस पर अधिकार कर लिया।

अद्वितीय वास्तुशिल्प

मुगलानों के काल में यहां महत्वपूर्ण निर्माण हुए। दिलावर खां गौरी ने इसका नाम बदलकर सादियाबाद (आनंद नगरी) रखा। होशंगशाह इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। मुहम्मद खिलजी ने मेवाड़ के राणा कुम्भा पर विजय के उपलक्ष्य में अशफ़ी महल से जोड़कर सात मंजिला विजय स्तंभ का निर्माण कराया (अब इसकी केवल एक ही मंजिल सलामत है)। हालांकि यह तथ्य विवादित है क्योंकि राणा कुम्भा ने भी मुहम्मद खिलजी पर विजय की स्मृति में चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ का निर्माण कराया था। आमतौर पर इतिहासकार मानते हैं कि राणा ने खिलजी को बंदी बनाया था और माफी पर उसे छोड़ था। फिर भी फरिश्ता जैसे इतिहासकार मुहम्मद



खिलजी की वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। वह लिखता है कि खिलजी हमेशा युद्ध में रहता है। अशफ़ी महल का निर्माण मंदरसे के तौर पर हुआ था और उसके कई कमरे आज भी काफी अच्छी अवस्था में हैं।

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी की वजह से भी मांडू की अलग पहचान है। बाज बहादुर संगीतज्ञ थे जबकि रानी रूपमती गायिका थीं। वह रूपमती से गायिकी सीखना चाहते थे। कहा जाता है जब उन्होंने रानी रूपमती को जंगल में खान करते देखा तो उन पर फिदा हो गये। उन्होंने रूपमती को मांडू आने का न्यौता दिया लेकिन रूपमती नर्मदा नदी के दर्शन करके ही गाना गाती थीं। इसलिए बाज बहादुर ने उनका आश्रय ऐसे स्थान पर बनाया जहां से नर्मदा नदी को आसानी से देखा जा सके। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में इसका नाम मांडवगढ़ था लेकिन बाद में इस शहर को सादियाबाद के नाम से भी जाना गया। समुद्र तल से 2000 फीट की ऊंचाई पर बसा मांडू इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। रूपमती के सौंदर्य की चर्चा दूर-दूर तक फैल चुकी थी और इसी चर्चा से प्रभावित होकर अकबर ने मांडू पर आक्रमण कर दिया। इसकी भनक लगते ही रूपमती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बाद में बाज बहादुर अकबर के दरबार में संगीतज्ञ बन गये।

आल्हा-ऊदल के वीरता की कहानी

आल्हा-ऊदल के बिना माण्डू का वर्णन अधूरा माना जाता है। आल्हाखण्ड में महाकवि जाज्जिक ने 52 लड़ाइयों का जिक्र किया है। उसमें पहली लड़ाई मांडूगढ़ की मानी जाती है, जिसका साम्य इसी माण्डू से किया जाता है। इसलिए आल्हा गायकों के लिए माण्डू एक तीर्थस्थल सरीखा है। बुंदेलखंड के लोग यहां इस लड़ाई के अवशेष देखने आते हैं। राजा जम्बे का सिंहासन, आल्हा की सांग, सोनगढ़ का किला, जहां आल्हा के पिता और चाचा की खोपड़ियां टांगी गई थीं और वह कोल्हू जिसमें दक्षराज-वक्षराज को करिगा ने पीस दिया था। ये सब आज भी आल्हा के मुरीदों को आकर्षित करते हैं। 'माण्डू सिटी ऑफ़ जॉय' के लेखक गुलाम यजदानी के अनुसार माण्डू के भवन रोमन, ग्रीक ईरानी, यूनानी, वैदिक, अफगान और हिंदू शैली से बने हैं। हिंदू शैली में बने भवन मुख्य हैं- हिण्डोला भवन, जामी मस्जिद, होशंगशाह का मकबरा आदि। पत्थियां, कमल के फूल, त्रिशूल, कलश, बंदनवार आदि इसके गवाह हैं। अफगान शैली में बने भवन हैं- रूपमती मण्डप, बाजबहादुर महल दरिया खां का मकबरा, जहाज महल आदि।



वया देखें

सोलहवीं शताब्दी में बाज बहादुर द्वारा बनाया गया महल यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल है। इस महल की विशेषता यह है कि यहां से चारों तरफ का बेहतरीन नजारा नजर आता है। महल मुगल और राजस्थानी शैली का मिश्रित रूप है। इसके अलावा, यहां रूपमती मंडप भी स्थित है, जिसे सेना द्वारा निगरानी रखने के लिए बनवाया गया था। मंडप किले के बिल्कुल किनारे पर बना है। यहां की खासियत यह है कि यहां से नर्मदा नदी और उसके मैदानों का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है। यहीं मंडप रानी रूपमती का आश्रय रहता था। मांडू की सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक इमारत जहाज महल है। वह बिल्कुल पानी के जहाज के आकार का बना है। इसकी लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर है। इस महल के पश्चिम और पूर्व में दो झीलें भी हैं। मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक इन झीलों से घिरा यह महल ऐसा लगता है जैसे कोई जहाज खंदरगाह पर खड़ा हो। इस महल का निर्माण गयामुद्दीन खिलजी ने करवाया था। यहां पहाड़ी की खड़ी ढाल पर नीलकंठ मंदिर स्थित है और आज भी श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा, यहां हाथी महल, दरियाखान मकबरा, मांडू के 12 प्रवेश द्वार, हिंडोला महल, रीखा कुंड, चम्पा बाग़, अशफ़ी महल, जैन मंदिर आदि ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं, जिसे देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

कब जाएं

मांडू घूमने के लिए मानसून से बेहतर मौसम और कोई हो ही नहीं सकता। जुलाई से अगस्त तक मांडू घूमने के लिए उपयुक्त समय है। इस दौरान यहां की हरियाली और पानी से भरे हुए जलाशय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश से धुल कर यहां की ऐतिहासिक इमारतें और भी साफ नजर आने लगती हैं।

कैसे पहुंचें

सड़क मार्ग: मांडू जाने के लिए इंदौर नजदीकी एयरपोर्ट है। यह प्रमुख एयरलाइन्स द्वारा भोपाल, ग्वालियर, मुंबई, दिल्ली और जयपुर से जुड़ा है। इंदौर से मांडू की दूरी 99 किमी है। सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं।
रेल मार्ग: यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन रत्नाम और इंदौर है। यह इंदौर से 99 किमी. और रत्नाम से 124 किमी. दूर है। इंदौर से मांडू बस या टैक्सी से भी पहुंच सकते हैं।
वाहन मार्ग: इंदौर मांडू मार्ग नियमित रूप से बस से जुड़ा हुआ है। भोपाल से भी मांडू के लिए बसें चलती हैं।



जहाज महल

जहाज महल माण्डू का सर्वाधिक ख्याति अर्जित है। बारी-तनक बनी के दिने होने के कारण यह जहाज का रूप प्रतीकित करता है। इसकी ऊंचाई ही के अलावा की है। इसका निर्माण बाजबहादुर राजा मुंज के समय हुआ किंतु इसके पुनर्निर्माण का रीढ़ गयामुद्दीन खिलजी की है। माण्डू की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अलग-अलग शैलीय मकबर है। माण्डू का फैलाव विस्मय करण है जहां ही नहीं है। शत्रु के आक्रमण के समय यह भूतानीय स्थल मुंज का एक भवन भी थी। यह जहाज अपने निर्माण में आज भी विस्मय दर्शाती है। बार-बार माण्डू के दौर बने 25 बरस एक अन्य आश्चर्यजनक निर्माण है। अफगान शैली का यह महल है। गुलाम जब माण्डू से धार के लिए निकला था तो इसी जहाज से उसके आने की खबर हो जाती थी। माण्डू से कुछ दूरी पर बड़ी माण्डू झील है। इसे कई माण्डव या माण्डवी के नाम पर विज्ञानों कहा गया है।



सात किलोमीटर का पैदल सफर, कच्चे रास्तों से ससुराल पहुंची दुल्हन



देहरादून। चकराता ब्लॉक के उर्दावा गांव में सड़क की सुविधा नहीं होने से ग्रामीणों को आज भी दुर्गम रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। गांव की बदहाली की तस्वीर अनिल चौहान के विवाह के बाद सामने आई, जब दुल्हन शर्मिला को सात फेरों के बाद मुख्य मार्ग से

करीब सात किलोमीटर दूर स्थित ससुराल तक कच्चे रास्तों से होकर पहुंचना पड़ा। यह स्थिति पहाड़ में विकास के दावों पर सवाल खड़े करती है। उर्दावा गांव में सड़क ही नहीं, मोबाइल नेटवर्क की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। इससे ग्रामीणों को आवागमन के साथ संचार, स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं के लिए भी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। किसी मरीज को अस्पताल पहुंचाना हो या आपात स्थिति में सूचना देनी हो, नेटवर्क और सड़क के अभाव में मुश्किलें बढ़ जाती हैं। ग्रामीण लंबे समय से गांव को सड़क से जोड़ने की मांग कर रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान

ग्रामीण एक्सप्रेस योजना से महिलाओं को मिला स्वरोजगार का तोहफा

यमकेश्वर। महिला स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करने की दिशा में यमकेश्वर में नई पहल की गई है। आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के आवागमन के लिए वाहन खरीदा गया है। बृहस्पतिवार को नीलकंठ मंदिर के समीप ब्लॉक प्रमुख यमकेश्वर सीता चौहान और खंड विकास अधिकारी आकाश बेलवाल ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर खाना किया। योजना के तहत वाहन खरीदने के लिए सरकार की ओर से 6.50 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया है। इस वाहन का उपयोग स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण और समूह से जुड़े कार्यों के लिए आवागमन की सुविधा उपलब्ध करने में किया जाएगा। इससे महिलाओं को आने-जाने में सहूलियत मिलेगी और उन्हें कम किराये पर परिवहन सुविधा मिल सकेगी। वाहन को आजीविका के साधन के रूप में भी उपयोग करने की योजना है। महिलाएं पर्यटन और टूर-ट्रेवल सेवाओं के माध्यम से वाहन का संचालन कर आय

अर्जित कर सकेंगी। इससे समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। खंड विकास अधिकारी आकाश बेलवाल ने बताया कि महिला स्वयं सहायता समूहों के आवागमन की सुविधा के लिए वाहन खरीदा गया है। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध करारकर आत्मनिर्भर बनाना है। वाहन को खाना किए जाने के दौरान समूह की महिलाओं में उत्साह देखने को मिला।

वन विभाग की टीम गुलदार को लेकर अलर्ट
श्रीनगर गढ़वाल : बछेली ग्रामसभा के तरुली गांव में बीते 9 अक्टूबर को गुलदार की ओर से महिला को मारने के शेर में भय व्याप्त है। वन विभाग की ओर से गुलदार को पकड़ने और उसकी गतिविधि पर नजर बनाए रखी जा रही है। फिर भी गुलदार न दिख रहा है न पिंजरे में कैद हो पाया। उपग्रामीय वनाधिकारी आर्या ङि ने बताया कि क्षेत्र में तीन सोलर सीसीटीवी, 15 कैमरा ट्रैप, पांच पिंजरे के साथ ही 12 सदस्यीय विभाग की गश्त टीम और तीन शिकारी तैनात किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

फरवरी तक पूरा होगा बीन नदी पुल

यमकेश्वर। बैराज-चौला-हरिद्वार मार्ग पर बीन नदी में निर्माणाधीन डबल लेन पुल का 50 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। केंद्रीय सड़क निधि (सीआरएफ) के तहत लोक निर्माण विभाग के दुगड्डा खंड की ओर से 23 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे इस पुल को फरवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। बुधवार को पौड़ी की जिलाधिकारी स्वाति एस्. भदौरिया ने स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। पुल की कुल लंबाई 150 मीटर है, जिसमें 50-50 मीटर के तीन स्पान बनाए जा रहे हैं। इसका कैरिजवे 7.5 मीटर और फुटपाथ सहित कुल चौड़ाई 12 मीटर होगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल 2026 में शुरू हुए निर्माण कार्य में फिलहाल फाउंडेशन का काम प्रगति पर है। डीएम ने नियमित निगरानी कर निर्धारित समयसीमा में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए।

पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी समीक्षा
पुल निरीक्षण के बाद डीएम ने नीलकंठ मंदिर के समीप निर्माणाधीन बहुमंजिला पार्किंग की प्रगति की जानकारी एसडीएम यमकेश्वर चतर सिंह चौहान से ली। उन्होंने राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन से पार्क क्षेत्र में रात्रिकालीन आवाजाही और लक्ष्मणझुला थाना पुलिस से रात की गश्त के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही जंगल सफारी की व्यवस्थाओं, आसपास के गांवों की स्थिति और ग्रामीणों की समस्याओं की भी समीक्षा की।

बदरीनाथ धाम से शुरू करेंगे न्याय यात्रा : गणेश गोदियाल

कर्णप्रयाग। अंकिता भंडारी के परिजनों को न्याय दिलाने की मांग के लिए कांग्रेस 22 अक्टूबर से बदरीनाथ धाम से न्याय यात्रा शुरू करेगी। गौचर में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि उत्तराखंड में लगातार अन्याय की घटनाएं हो रही हैं लेकिन सरकार की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग के लिए भी कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन करेगी। अंकिता हत्याकांड में प्रदेश सरकार वीआईपी को बचाने का काम कर रही है। आज तक सरकार वीआईपी का नाम तक उजागर नहीं कर पाई है। उन्होंने बताया न्याय यात्रा बदरीनाथ धाम के साथ हरिद्वार के हर की पौड़ी, देहरादून के टपकेश्वर महादेव मंदिर और अल्मोड़ा के गोल्लू देवता मंदिर से भी शुरू की जाएगी। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश महासचिव मुकेश नेगी, प्रदेश महामंत्री हरिकृष्ण भट्ट, ब्लॉक प्रमुख विनोद रावत, हरीश नगाल, अजय किशोर भंडारी आदि मौजूद रहे।

भूगर्भीय टीम ने किया निरीक्षण, सैपल लिए
कर्णप्रयाग। भूधंसाव से प्रभावित सिमल्ट गांव का भूगर्भीय सर्वेक्षण की टीम ने निरीक्षण किया। भूवैज्ञानिक कृष्णा सजवाण ने गांव में पहुंचकर भूधंसाव क्षेत्र, गांव और आटागढ़ नदी का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से वार्ता की। साथ ही जांच और कारणों का पता लगाने के लिए गांव से मिट्टी के नमूने एकत्र किए।

उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा के इंतजाम करने को कहा। राजस्व लिपिक दिपेन पंवार ने बताया कि जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को भेजी गई है। इस मौके पर राजस्व उपनिरीक्षक राजेश्वरी रावत भी मौजूद रही।

रात्रि चौपाल में समस्याएं रख सकेंगे ग्रामीण
जौलीग्रांट। विकासखंड की रानीपोखरी मौजा में 23 अक्टूबर को जिलाधिकारी के निर्देश पर रात्रि चौपाल आयोजित होगी। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण का प्रयास करेंगे। खंड विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि चौपाल में राजस्व, विकास, पंचायती राज, विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और समाज कल्याण विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। डेईवाला ब्लॉक प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। ग्राम प्रधान अरुणा भंडारी ने बताया कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को चौपाल में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जर्मोला में किसानों को नर्सरी प्रबंधन का हुनर सिखाएगा उद्यान विभाग

पुरोला। बागवानी को आय का बेहतर माध्यम बनाने और किसानों को गुणवत्तापूर्ण फलदार फल तैयार करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से जर्मोला स्थित उद्यान प्रशिक्षण केंद्र में 15 दिवसीय नर्सरी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। उद्यान विभाग की ओर से आयोजित प्रशिक्षण में किसानों को पौध उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों के साथ नर्सरी प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को ग्राफ्टिंग, बंडिंग और कलम तैयार करने जैसी तकनीकों से लेकर पौधों की देखभाल, पौध संरक्षण, सिंचाई और पोषण प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। सहायक निदेशक, उद्यान प्रशिक्षण केंद्र जर्मोला डॉ. ज्योति बजेली ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ना है। प्रशिक्षण में विशेषज्ञ विभिन्न विषयों पर जानकारी देने के साथ किसानों को तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव भी उपलब्ध कराएंगे।

वन विभाग की टीम गुलदार को लेकर अलर्ट
श्रीनगर गढ़वाल : बछेली ग्रामसभा के तरुली गांव में बीते 9 अक्टूबर को गुलदार की ओर से महिला को मारने के शेर में भय व्याप्त है। वन विभाग की ओर से गुलदार को पकड़ने और उसकी गतिविधि पर नजर बनाए रखी जा रही है। फिर भी गुलदार न दिख रहा है न पिंजरे में कैद हो पाया। उपग्रामीय वनाधिकारी आर्या ङि ने बताया कि क्षेत्र में तीन सोलर सीसीटीवी, 15 कैमरा ट्रैप, पांच पिंजरे के साथ ही 12 सदस्यीय विभाग की गश्त टीम और तीन शिकारी तैनात किए गए हैं।

प्रदेश को मदरसों में अब शुक्रवार को नहीं होगी छुट्टी



देहरादून। उत्तराखंड में शिक्षा विभाग से मान्यता लेने वाले और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले 206 मदरसों में अब शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश नहीं होगा। इनमें अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की ओर से स्पष्ट किया गया है कि शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने या मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मदरसों को

विभागीय मानकों और निर्धारित शैक्षिक व्यवस्था का पालन करना होगा। इसी ऋम में शुक्रवार की छुट्टी की व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब इन मदरसों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। इस व्यवस्था का असर उन मदरसों पर भी पड़ेगा, जो राज्य की मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जुड़ने के लिए शिक्षा विभाग से मान्यता लेने की प्रक्रिया में हैं। प्राधिकरण का उद्देश्य मदरसा शिक्षा को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप लाते हुए विद्यार्थियों को मुख्यधारा

भर्ती फर्जीवाड़े में वांछित विनायक अब भी फरार

ऋषिकेश। किच्छा स्थित सैटेलाइट सेंटर में भर्ती के नाम पर कथित फर्जीवाड़े के मामले में आउटसोर्स एजेंसी राजदीप इंटरप्राइजेज का स्थानीय मैनेजर विनायक अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। वहीं, मामले में वांछित आउटसोर्स कर्मचारी सौम्या को हार्डकोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस इस मामले में पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। विवेचना के दौरान भर्ती फर्जीवाड़े में मैनेजर विनायक और कर्मचारी सौम्या की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों को वांछित बनाया था। घटना के बाद से ही विनायक फरार चल रहा है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों

पर दबिश देने की बात कह चुकी है, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल पाया है।
निचली अदालत से खारिज हुई थी याचिका
मामले में सौम्या ने गिरफ्तारी से बचने के लिए निचली अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई थी। हालांकि, अब उसे हार्डकोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने की जानकारी सामने आई है।
फरार मैनेजर की तलाश जारी
पुलिस का कहना है कि मामले में फरार मैनेजर विनायक की तलाश की जा रही है और उसे जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नर्सिंग अधिकारियों को हड़ताल खत्म कर ड्यूटी पर लौटने के निर्देश

ऋषिकेश। एम्स में सीनियर नर्सिंग अधिकारियों (एसएनओ) की सहायक नर्सिंग अधीक्षक (एएनएस) के पद पर अस्थायी पदेनत्रति के विरोध में चल रहे आंदोलन के संबंध में एम्स प्रशासन की ओर से सख्त रख अपनाया गया है। प्रशासन ने नर्सिंग अधिकारियों को अंतिम नोटिस जारी करते हुए भूख हड़ताल तत्काल समाप्त करने और बिना देरी निर्यात ड्यूटी पर लौटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि सेवा नियमों और वैध प्रशासनिक आदेशों का उल्लंघन करने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सीनियर प्रशासनिक अधिकारी गौरव भादराज की ओर से मुख्य नर्सिंग अधिकारी (सीएनओ) को जारी पत्र में कहा गया है कि पूर्व में

कई परामर्श और निर्देश दिए जाने के बावजूद कुछ कर्मचारी आंदोलन में शामिल हैं। यह आंदोलन 10 अक्टूबर को जारी कार्यालय आदेश के तहत एम्सएनओ की एएनएस पद पर अस्थायी पदेनत्रति के विरोध में किया जा रहा है।पत्र में प्रशासन ने कहा कि कर्मचारियों की शिकायतों पर संवाद, विचार-विमर्श

पुलिस के शहीद जवानों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि
उत्तरकाशी। पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस लाइन ज्ञानस् स्थित शहीद स्मारक पर पुलिस परिवार ने शहीद पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मी स्व. गिरवीर रमोला के परिजनों से मुलाकात कर सम्मानित किया गया।
बुधवार को पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट चंचल शर्मा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शहीद जवानों को सलामी दी गई और दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को याद किया गया। इस अवसर पर एसपी कमलेश उपाध्याय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस वीर जवानों के त्याग, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठ का स्मरण करता है।

जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर रात में विमान खड़े करने से कतरा रही एयरलाइंस



देहरादून। दून एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट प्रशासन रात्रि पार्किंग शुरू कर सुबह जल्दी उड़ानें शुरू करना चाहता है। लेकिन फिलहाल किसी भी एयरलाइंस ने रात्रि पार्किंग में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। जबकि एयरपोर्ट पर सभी सुविधाएं मौजूद हैं। एयरपोर्ट पर विमानों की पार्किंग क्षमता को बढ़ाकर 20 तक कर दिया गया है। प्रदेश सरकार ने भी अपनी तरफ से पहल करते हुए इस पर वेट को घटकर 26 से घटकर दो प्रतिशत तक

कर दिया है। इसके बावजूद अभी तक किसी भी विमानन कंपनी ने देहरादून एयरपोर्ट पर रात्रि पार्किंग में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है। विमानों की रात्रि पार्किंग से तड़के उड़ानें शुरू की जा सकती हैं। जबकि वर्तमान में एयरपोर्ट पर सुबह नौ बजे के बाद ही फ्लाइटों की आवाजाही शुरू होती है।
पिछले दिनों एयरपोर्ट पर सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें इस बिंदु पर भी चर्चा हुई थी। संबंधित एयरलाइंस अधिकारियों को कहा गया था कि वो अपने मुख्यालय में इस संबंध में चर्चा करें। तड़के उड़ानें संचालित होने से हवाई यात्रियों के साथ ही एयरपोर्ट को काफी लाभ मिलेगा। इससे एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही की संख्या में भी इजाफा होगा।
विभिन्न शहरों की करीब 16 उड़ानें पहुंचती है एयरपोर्ट
दून एयरपोर्ट पर देश के विभिन्न शहरों की करीब 16 उड़ानें प्रतिदिन आवाजाही करती हैं। इंडीगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस आदि कंपनियां उड़ानें संचालित करती हैं। चार्टर्ड विमानों की आवाजाही अलग है।

मीका सिंह ने मिलाया मंत्री सुबोध उनियाल को फोन

कहा—आरोप साबित करें तो मैं गाना छोड़ दूंगा

देहरादून। दलेर मेहंदी की प्रस्तुति को लेकर उठे विवाद के बीच पंजाबी गायक मीका सिंह ने कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल से बातचीत की। मंत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला लगातार चर्चा में है। वीडियो में मंत्री मंच पर दलेर मेहंदी की प्रस्तुति को लेकर नाराजगी जताते दिखाई दे रहे हैं।
मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को मीका सिंह और मंत्री के बीच हुई बातचीत में मंच पर हुए घटनाक्रम का जिक्रहुआ। इस दौरान सुबोध उनियाल ने मीका सिंह से भी मंच की मर्यादा बनाए रखने की जरूरत बताई। उत्तराखंड के नरेंद्रनगर में मां कुंजापुरी मेले में पंजाबी गायक दलेर मेहंदी की प्रस्तुति को लेकर उठा विवाद अब मनोरंजन जगत तक पहुंच गया है।
इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए मीका सिंह ने कहा कि अगर कोई यह साबित कर दे कि 59 वर्षीय दलेर मेहंदी ने कभी शराब पी है,

मीका ने सवाल उठाया कि क्या किसी ने कभी दलेर मेहंदी के हाथ में शराब का गिलास देखा है या उनकी जन्मदिन की पार्टियों में शराब पयसे जाते हुए देखा है? उन्होंने कहा कि वह अपने बड़े भाई की बात कर रहे हैं, अपनी नहीं। लोग उनके बारे में कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन दलेर मेहंदी को लेकर ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। मीका के मुताबिक, अगर दलेर मेहंदी उस समय ठीक से नहीं गा पा रहे थे, तो संभव है कि उनकी तबीयत ठीक न रही हो।
मंच पर उनके लड़खड़ाते और लिप-सिंक के आरोपों के बाद कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल की ओर से उन्हें डांटने पर भाई मीका सिंह, रैपर बादशाह और कर्मेडियन कपिल शर्मा, शिल्पा शेठ्टी समेत कई कलाकार उनके समर्थन में सामने आए हैं। सभी ने सार्वजनिक रूप से एक वीडि कलाकार को अपमानित किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई।



तो वह गाना छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने बड़े भाई दलेर मेहंदी को लेकर खबरें देखी हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि वह गाते समय नशे में थे और ठीक से गा नहीं पा रहे थे।

मीका ने उठाए सवाल

प्रदेश को मदरसों में अब शुक्रवार को नहीं होगी छुट्टी

को शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना है।
76 मदरसों को मिली शिक्षा विभाग से मान्यता
प्रदेश में 76 मदरसों को शिक्षा विभाग मान्यता दे चुका है। इसमें हरिद्वार के 270 में से 44, उधमसिंह नगर के 119 में से 24, देहरादून के 41 में से छह, नैनीताल के 18 में से दो मदरसों को शिक्षा विभाग की ओर से मान्यता दी जा चुकी है। इसके अलावा 114 अन्य मदरसों ने मान्यता के लिए शिक्षा विभाग में आवेदन किया है।
206 मदरसों के 30 हजार से अधिक बच्चे जुड़े शिक्षा की मुख्यधारा में
राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी के मुताबिक राज्य में मदरसा शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के बीच 206 मदरसों के करीब 30 हजार से अधिक बच्चे मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ चुके हैं। इन संस्थानों में अब सामान्य विद्यालयों की तर्ज पर शैक्षिक गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। मदरसों में पहले केवल धार्मिक शिक्षा दी जाती थी, लेकिन अब धार्मिक शिक्षा के साथ ही विद्यालयी शिक्षा भी दी जा रही है।

अंतिम चरण में चारधाम यात्रा: दर्शन के लिए उमड़ रही भीड़, बना नया रिकॉर्ड

देहरादून,चारधाम यात्रा अंतिम चरण में है। केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। अब तक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 60 लाख पार हो गया है। 16 नवंबर को बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद यात्रा शीतकाल के लिए स्थगित होगी। चारधामों के शीतकालीन प्रवास स्थल से शीतकालीन यात्रा का संचालन किया जाएगा। 19 अप्रैल को चारधाम यात्रा का आगाज हुआ था। बीते वर्ष की तुलना में इस बार मासून् सीजन में चारधाम यात्रा का संचालन निःशुद्ध रूप से जारी रही। पहली बार केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के अलावा हेमकुंड साहिब में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया, केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में दर्शन के लिए

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस वर्ष चारधाम यात्रा में 60 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या उत्तराखंड के प्रति लोगों की आस्था और विश्वास को दर्शाती है। राज्य सरकार श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यात्रा मार्गों पर सड़क, स्वास्थ्य, यातायात और सुरक्षा संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है।



शिव शक्ति मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह शुरू

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह शुरू
डोईवाला। शिव शक्ति मंदिर, गौडन कॉलोनी परिसर में बुधवार को कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह शुरूहुआ। वाद्य यंत्रों की धुनों के बीच निकली कलश यात्रा के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख—समृद्धि की कामना की। कथा व्यास पंडित श्रीराम उपाध्याय ने भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कथा श्रवण से भक्ति, ज्ञान, सदाचार और दूसरों के प्रति प्रेम व करुणा की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि कथा के संदेशों को जीवन में अपनाने से समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव मजबूत होता है। आगामी सात दिनों तक मंदिर परिसर में कथा प्रवचन होगा। इस दौरान अन्वेश कुमार, मनोज पांडेय, विजय शर्मा, कुलदीप कुमार, संजय श्रीवास्तव,आनंद गुप्ता, सुशील जासवाल, अमरजीत, सविता शर्मा, मंजू त्यागी, इंदु पांडेय, मुकेश पात और बबीता विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

टी20 सीरीज: वैभव से डरा न्यूजीलैंड! बल्लेबाज को रोकने के लिए बनाया प्लान

वेलिंगटन, एंजोसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक अंदाज से दुनिया भर के गेंदबाजों का ध्यान खींचा है। अब न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटर ने भी माना है कि अगर इस युवा बल्लेबाज को भारत की एंजो-11 में मौका मिलता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होगा। हालांकि, पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले मेजबान कप्तान ने साफ किया कि उनकी टीम में वैभव के खेल को अच्छे से देखा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ खास योजनाएं तैयार की हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला मुकामला मुंबई के ब्राह्मणस्थल में खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद से सीमित मौके मिले हैं। निर्वासित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजु सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें एंजो-11 में जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ फिफ्टी सीरीज में भी वह नहीं खेले थे। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी कहा है कि वैभव को अपने मौके के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बावजूद सैंटर ने वैभव की प्रतिभा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है। सैंटर ने सीरीज से पहले कहा, 'वैभव फिफ्टी सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में देखा है। अभिषेक जैसे दूसरे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव की भारत के लिए बड़ी भूमिका होगी, चाहे वह इस सीरीज में हो या भविष्य में।'

न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा, 'अगर उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका मिलता

भारतीय टीम में करीब चार साल बाद लौटे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर भी सैंटर ने अपनी राय रखी। न्यूजीलैंड के कप्तान का मानना है कि यहां की परिस्थितियां भुवनेश्वर की गेंदबाजी के अनुकूल होंगी। नई गेंद से स्विंग हासिल करने की उनकी क्षमता मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती है। सैंटर ने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवी को न्यूजीलैंड की परिस्थितियां काफी पसंद आएंगी। अगर पिच पर गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होगी, तो वह उसका फायदा उठा लेंगे। भारत की कुछ स्पाट पिचों पर भी उन्होंने गेंद को स्विंग कराया है और उसमें मूवमेंट हासिल की है। इसलिए यहां नई गेंद से उनका सामना करना खास तौर पर चुनौतीपूर्ण होगा।' उन्होंने भारतीय पिचों पर बड़े स्कोर बनने का जिक्र करते हुए कहा, 'आजकल भारत में गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण है। हमने हाल की सीरीज में देखा कि 250 रन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। ऐसे में कौन गेंदबाज बनना चाहेगा? लेकिन भुवी को यहां की परिस्थितियां थोड़ी ज्यादा पसंद आ सकती हैं।'

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत की तूफानी पारी, शेफाली वर्मा ने भी मचाया धमाल

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाबवे के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मुकामले में 92 रनों से शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से वर्तमान स्वीप किया। मंगलवार को रायपुर के राहिल वीर नारायण शिर इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकामले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 216 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में जिम्बाबवे की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 124 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ स्मृति मंथान की अनुयाई में भारतीय टीम ने अपनी पहली सीरीज भी जीत ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाबवे के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने 41 गेंदों पर नाबाद 91 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। इस तरह हरमनप्रीत ने कुल 15 बाउंड्री लगाई और भारत को 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक से महज नौ रन दूर रह गईं। हरमनप्रीत की यह पारी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम के लिए चौथे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एशियाई पैरा गेम्स-2026... यासिर-परवीन ने किया कमाल

भारत को शॉटपुट में तीनों पदक सचिन ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

आइजी नगोया, एंजोसी। भारत के पैरा एथलीट सचिन सरजेराव खिलारी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को नगोया में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में सचिन ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंककर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक जीतकर करवीन स्वीप किया। पैरिस पैरालंपिक 2024 के रजत पदक विजेता सचिन ने एशियाई पैरा गेम्स में अपना पिछला स्वर्ण भी बरकरार रखा। उन्होंने चीन में हुए पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। इस बार उन्होंने 15.67 मीटर के पुराने गेम्स रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 15.87 मीटर का नया रिकॉर्ड कायम किया। भारत के मोहम्मद यासिर ने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर का श्रो करके रजत पदक जीता, जबकि परवीन 14.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह पोंडिचerry के तीनों स्थान भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे।

आखिरी श्रो में सचिन ने पलटी बाजी

सचिन खिलारी का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन खास रहा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंका और प्रतिस्पर्धा का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले गेम्स रिकॉर्ड 15.67 मीटर था। सचिन ने दबाव के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार एशियाई पैरा गेम्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने में सफल रहे। यासिर और परवीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की ऐतिहासिक सफलता पूरी की।

नौ साल की आ में हुआ हदसा, फिर भी नहीं मानी हर

महाराष्ट्र के सांगली जिले के करगनी गांव में 23 अक्टूबर 1989 को जन्मे सचिन खिलारी का जीवन नौ साल की उम्र में हुए एक साइकिल हादसे के बाद बदल गया था। इस हादसे के कारण उनके बाएं हाथ की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा और हाथ की गतिविधियां सीमित हो गईं। हालांकि, सचिन ने इन चुनौतियों को अपने खेल के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने शुरूआत में भाला फेंक में हिस्सा लिया, लेकिन कंधे की चोट के बाद शॉटपुट को अपना मुख्य खेल बना लिया। लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी आलग पहचान बनाई।

पैरालंपिक रजत और दो बार के विश्व चैंपियन

सचिन खिलारी ने पैरिस पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड को भी के साथ रजत पदक जीता था। यह 2023 और 2024 में लगातार दो विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीत चुके हैं। अब एशियाई पैरा गेम्स में स्वर्ण और गेम्स रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अपनी उपस्थिति में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। सचिन फौज सच्यनराव के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोंडिचerry योजना (टीओ) से भी सहायता मिली है। खेल में योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया

सचिन खिलारी ने मैफेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। खेल के अलावा वह अतिथि शिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं और मसराट लोक सेवा आयोग (एम्पीएससी) तथा संध लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने वाले सचिन की कहानी सच है, अनुशासन और लगातार मेहनत करने की कोशिश का उदाहरण है। नगोया में उनका रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन इसी लक्ष्य साकार की एक और बड़ी उपलब्धि है।

एफ46 वर्ग क्या है...

एफ46 वर्ग उन फील्ड एथलीटों के लिए है, जिनके एक हाथ की कोहनी के ऊपर या नीचे अंग-विच्छेदन हुआ हो अथवा ऊपरी अंग में इसके समान स्तर की दिव्यांगता हो। इस वर्ग के खिलाड़ी खड़े होकर भी करते हैं और कुर्ची तथा पैरों की मदद से फेंकने की तकत पैदा करते हैं। सचिन ने इसी वर्ग में 15.87 मीटर का श्रो करके स्वर्ण पदक जीता। यासिर और परवीन के रजत और कांस्य पदक में भारत के लिए इस स्पर्धा को यादगार बना दिया।

फ्रेंच ओपन सात्विक-विराग बाहर, अस्मिता और तन्वी अगले दौर में

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अस्मिता वॉलिश और तन्वी शर्मा ने मंगलवार को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुकामलों में जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली। हालांकि, पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विक-विराग रफीरेडो और विराग शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर फाइनल सात्विक और विराग की जोड़ी को फ्रांस के क्रिस्टो पोंपेय और टोमा जुनियस पोंपेय ने राउंड ऑफ 32 के मुकामले में 21-19, 18-21, 21-13 से हराया। एक घंटे से अधिक समय तक खेले मुकामले में भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम जीतकर खारसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक गेम में फ्रांसीसी जोड़ी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। महिला एकल में अस्मिता वॉलिश ने चीन की डेन कियान शी को 21-18, 24-22 से हराया। 39 मिनट तक खेले मुकामले में अस्मिता ने चौथे गेम में जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

वीसीसीआई अध्यक्ष ने दिया चौकाने वाला बयान!

विश्वकप में खेल पाएंगे रोहित-कोहली! केवल फिटनेस ही चयन का आधार

मुंबई, एंजोसी। भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चर्चाएं जारी हैं। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मनास ने 2027 चनडे विश्व कप में दोनों दिग्गजों के खेलने की संभावनाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि टीम में चयन का आधार खिलाड़ियों की उम्र नहीं, बल्कि उनकी फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाबवे और नमिबिया में अगले साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले रोहित और विराट के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी।

आ नहीं, प्रदर्शन होगा आधार

मनास ने स्पोर्ट्सटार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो चयन के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे नजरिये से चयन का आधार निश्चित रूप से फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर कोई खिलाड़ी खेलने के लिए फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो यही एकमात्र मानदंड होना चाहिए, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए।' रोहित और विराट पिछले 24 महीनों में टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। दोनों की कोशिश एक और चनडे विश्व कप खेलने की होगी। वे 2023 में भारत की उस टीम का हिस्सा थे, जिसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

शुभमन गिल को मिलेगी मदद

मनास ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल के विकास में रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी गिल को कप्तानी में मदद दे सकती है। उन्होंने कहा, 'शुभमन पिछले दो-तीन वर्षों से गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। इसके अलावा वह भारत की भी अगुआई कर रहे हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप अभियान शुरू करते समय उनका यह अनुभव काम आएगा। टीम में विराट, रोहित (पांडेवा) और रोहित का होना निश्चित रूप से उनकी मदद करेगा।' मनास ने आगे कहा, 'जसप्रीत कुमार जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि कोई दूसरा खिलाड़ी फील्डिंग यूनिट का नेतृत्व कर सकता है। यह जिम्मेदारियां बांटने की बात है। यह देखना दिलचस्प होगा कि चीजें किस तरह आगे बढ़ती हैं। शुभमन शंत स्वभाव के खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों का साथ उनके लिए फायदेमंद होगा।'

विश्व कप के दौरान कितनी होगी रोहित-विराट की आ

रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट कोहली विश्व कप के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों की उम्र को देखते हुए भारतीय टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजोय अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी। भारत के 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद रोहित और विराट ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया। रोहित के चनडे में खराब फॉर्म के दौरान उनके संन्यास को लेकर अटकलें तेज हुई थीं। हालांकि, लॉर्ड्स में उनके शतक ने इन चर्चाओं पर कुछ हद तक विराम लगाया। दूसरी ओर, विराट कोहली चनडे क्रिकेट में लगातार रन बनाते हुए इस प्रारूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं।